लखनऊ

बुधवार, 20 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 264

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जीवन में शांति चाहते हैं तो दुसरों की शिकायतें करने से बेहतर है प्रेरक वेबिनार खुद को बदल लें। क्योंकि पुरी दुनिया में कारपेट बिछाने से खुद के पैरों में चप्पल पहन लेना अधिक सरल है।

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

TMC में हार का इतना खौफ, कैंडिडेट बीच चुनाव उम्मीदवारी वापस लेकर भागने लगे, जहांगीर खान ने ममता को दिया झटका

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में होने वाले पुनः मतदान से पहले, टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान ने मंगलवार को फाल्टा विधानसभा सीट से अपना नामांकन वापस ले लिया। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 मतदान केंद्रों पर 21 मई को पुनर्मतदान का आदेश दिया है। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 29 अप्रैल को फाल्टा में हुए मतदान के दौरान 'गंभीर चुनावी अपराधों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के उल्लंघन' के कारण पुनर्मतदान का आदेश दिया गया है। आयोग ने कहा कि सहायक मतदान केंद्रों सहित सभी मतदान केंद्रों पर 21 मई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक 'स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी' मतदान सुनिश्चित करने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुनर्मतदान होगा। मतों की गिनती 24 मई को होगी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोमवार (18 मई) को निर्देश दिया कि फाल्टा विधानसभा पुनर्चुनाव में चुनाव लड़ रहे तृणमूल कांग्रेस नेता जहांगीर खान के खिलाफ लंबित एफआईआर में 26 मई तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। अदालत ने राजनीतिक परिदृश्य में आए बदलाव को प्रथम दृष्टया ध्यान में रखते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया। फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में 21 मई को नए सिरे से चुनाव होने हैं और मतगणना 24 मई को होगी। व्यापक धांधली के आरोपों के बाद 29 अप्रैल को चुनाव रद्द कर दिए गए थे। गौरतलब है कि हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में भाजपा पश्चिम बंगाल में पहली बार सत्ता में आई, जिसमें सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। अदालत फाल्टा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार जहांगीर खान द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर को सार्वजनिक करने और 21 मई को होने वाले पुनर्निर्वाचन से पहले किसी भी प्रकार की दमनकारी कार्रवाई से सुरक्षा की मांग की थी।

यमुना बाजार में रह रहे 310 से ज्यादा परिवारों को कोर्ट से नहीं मिली राहत, तोड़फोड़ पर रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को यमुना बाजार इलाके में रह रहे 300 से ज्यादा परिवारों को जारी किए गए बेदखली नोटिस को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने यमुना बाजार में 310 से ज्यादा परिवारों को प्रभावित करने वाली तोड़फोड़ पर रोक लगाने से मना कर दिया। जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने याचिकाकर्ता, यमुना बाजार रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की प्रस्तावित तोड़फोड़ की कार्रवाई पर 1 हफ्ते के लिए रोक लगाने की अर्जी को भी नामंजूर कर दिया है। याचिकाकर्ता ने कहा था कि कल तोड़फोड़ शुरू होने की संभावना है। कोर्ट ने कहा कि याचिका एक एसोसिएशन ने दायर की थी, लेकिन उसके सदस्यों से सही ऑथराइजेशन और नतीजों को भुगतने के लिए उनके बाइंडिंग एफिडेविट की कमी थी। कोर्ट ने कहा कि यह कोर्ट रिट याचिका पर सुनवाई नहीं करना चाहता।

गरीबों का 'सुरक्षा कवच' बनी आयुष्मान योजना

यूपी में ₹13,315 करोड़ का भुगतान, बरेली नंबर-1, गोरखपुर दूसरे स्थान पर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में 'आयुष्मान भारत योजना' प्रदेश के गरीबों और जरूरतमंद परिवारों के लिए सबसे बड़ी स्वास्थ्य सुरक्षा बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल करने का नतीजा है कि आज राज्य का कोई भी गरीब पैसों के अभाव में बड़े इलाज से वंचित नहीं है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में अब तक 50 लाख 40 हजार 937 आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों ने कुल 91 लाख 87 हजार 418 बार अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा का लाभ उठाया है। इन मरीजों के इलाज के लिए अब तक 15,140 करोड़ रुपये से अधिक का क्लेम किया जा चुका है, जिसमें से रिकॉर्ड 13,315 करोड़ रुपये का भुगतान सीधे अस्पतालों को किया जा चुका है।

'साचीज' (SACHIS) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) अर्चना वर्मा ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में से आयुष्मान योजना के तहत सबसे अधिक वित्तीय लाभ बरेली जिले के लाभार्थियों को मिला है। बरेली में 1 लाख 83 हजार 714 आयुष्मान कार्ड धारकों ने इस योजना का लाभ उठाया, जिसके तहत 3 लाख 72 हजार 319 उपचार क्लेम दर्ज किए गए। जिले में कुल 682 करोड़ 99 लाख 77 हजार 778 रुपये का क्लेम किया गया, जिसमें से 620 करोड़ 81 लाख 64 हजार 359 रुपये का सफल भुगतान किया जा चुका है। इस भारी-भरकम राशि के साथ बरेली पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर है।

गोरखपुर दूसरे और मुरादाबाद तीसरे स्थान पर

इस सूची में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह जनपद गोरखपुर दूसरे स्थान पर रहा। गोरखपुर में 1 लाख 71 हजार 492 लाभार्थियों ने गंभीर बीमारियों का मुफ्त इलाज कराया, जिसके लिए कुल 3 लाख 59 हजार 529 क्लेम दर्ज हुए। यहाँ स्वीकृत हुई 591 करोड़ रुपये की धनराशि के सापेक्ष 539 करोड़ 56 लाख 47 हजार 285 रुपये का भुगतान सुनिश्चित किया गया। वहीं, मुरादाबाद जिला तीसरे स्थान पर रहा, जहाँ 1 लाख 29 हजार 1 लाभार्थियों के इलाज के लिए कुल 519 करोड़ 60 लाख रुपये का क्लेम किया गया और अब तक 459 करोड़ 91 लाख रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है।

पीसफुल प्रोटेस्ट करें, पर सड़क पर समस्या न बनें : सूर्यकांत

नवी मुंबई एयरपोर्ट केस में CJI की नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मंगलवार को कहा कि यद्यपि सभी भारतीयों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन युवाओं को सड़कों पर विरोध प्रदर्शन नहीं करना चाहिए, उन्होंने विशेष रूप से नवी मुंबई हवाई अड्डे के लिए एक विशिष्ट नाम की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शनों का जिक्र किया। सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बदलकर 'लोकनेता डी बी पाटिल नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा' रखने की याचिका को भी खारिज कर दिया और कहा कि यह मुद्दा नीति निर्माण के अंतर्गत आता है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता। सुनवाई के दौरान, इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे युवाओं के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाने की दलील पर प्रतिक्रिया देते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि प्रदर्शनकारी व्यक्तियों को धमकी नहीं देनी चाहिए और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश कांत ने कहा कि सभी को शांतिपूर्ण और वैध विरोध प्रदर्शन का अधिकार है... जैसा कि कानून में अनुमत है, किया जा सकता है। लेकिन सड़कों पर उतरकर आम आदमी के लिए समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। नाम बदलने की याचिका प्रकाशझोट सामाजिक संस्था द्वारा दायर की गई थी, जिसमें केंद्र से राज्य सरकार के हवाई अड्डे का नाम बदलने के प्रस्ताव पर समय पर निर्णय लेने का आह्वान किया गया है।

किरेन रिजिजू का बड़ा दावा, मोदी सरकार में घटीं सांप्रदायिक झड़पें, लॉ एंड ऑर्डर राज्यों का विषय

नई दिल्ली, एजेंसी। संसदीय मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को कहा कि 2014 से देश भर में सांप्रदायिक झड़पों की संख्या में धीरे-धीरे कमी आई है, साथ ही उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि कानून और व्यवस्था बनाए रखना संबंधित राज्य सरकारों के प्राथमिक अधिकार क्षेत्र में आता है। रिजिजू ने कहा कि कानून और व्यवस्था मूल रूप से राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाला विषय है। राष्ट्रपति शासन लागू होने पर स्थिति अलग होती है, अन्यथा सार्वजनिक व्यवस्था और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी पूरी तरह से राज्यों की होती है।

रिजिजू ने आगे कहा कि चाहे 1984 के दंगे हों, गुजरात की घटनाएँ हों या अन्य बड़ी सांप्रदायिक अशांतियाँ, इन सभी घटनाओं के रिकॉर्ड मौजूद हैं। हालांकि, छोटी-मोटी घटनाएँ अक्सर आधिकारिक रिकॉर्ड में उतनी स्पष्टता से दर्ज नहीं होतीं, या उनके बारे में जनता में जागरूकता सीमित रहती है। राष्ट्रीय आंकड़ों की बात करें तो, हमारे पास उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, 2014 से सांप्रदायिक झड़पों की संख्या में धीरे-धीरे कमी आई है।

राज्य अल्पसंख्यक आयोग सम्मेलन में बोलते हुए, रिजिजू ने देश में सांप्रदायिक तनाव की घटनाओं को बढ़ाने में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों पर सूचना अत्यंत तेज़ी से फैलती है, लेकिन कुछ तत्व नियमित रूप से इस गति का दुरुपयोग करके स्थानीय घटनाओं को सनसनीखेज या अतिरंजित रूप से प्रस्तुत करते हैं, जिससे देश में सांप्रदायिक सद्भाव को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचता है।

'आर्थिक तूफान आ रहा है, अडानी–अंबानी बच जाएंगे, आम जनता तबाह होगी', राहुल गांधी मोदी सरकार पर बड़ा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र सरकार की राजकोषीय नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए चेतावनी दी कि भारत अभूतपूर्व आर्थिक तूफान के कगार पर है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री द्वारा किए गए वित्तीय संशोधनों का अंततः पतन होगा और इसका सबसे अधिक बोझ आम नागरिक पर पड़ेगा। अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दौरे के दौरान मीडिया और जनता को संबोधित करते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मौजूदा आर्थिक ढांचे को चुनिंदा अरबपतियों को श्रमिक वर्ग की कीमत पर लाभ पहुंचाने के लिए व्यवस्थित रूप से हेरफेर किया गया है।

गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि जहां बड़े-बड़े कॉरपोरेट जगत के

दिग्गज और राजनीतिक नेता अपने महलों में पूरी तरह सुरक्षित बैठे हैं, वहीं इस आसन्न संकट का असली असर उत्तर प्रदेश के युवाओं, किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस बात के लिए भी आलोचना की कि वे आंतरिक ढांचागत संकटों को दूर करने के बजाय लगातार विदेश यात्राएं कर रहे हैं और साथ ही नागरिकों से विदेश यात्राएं कम करने का आग्रह कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले कई दिनों से मैं यही कह रहा हूं कि मोदी जी ने आर्थिक ढांचे में बदलाव किया है और अब एक आर्थिक तूफान आने वाला है। अंबानी के पक्ष में उन्होंने जो ढांचा खड़ा किया है, वह टिकेगा नहीं; उसका पूरी तरह से ढह जाना तय है। दुख की बात यह है कि इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आने वाला आर्थिक संकट अडानी, अंबानी और मोदी को प्रभावित नहीं करेगा। बल्कि, यह उत्तर प्रदेश के युवाओं, किसानों, मजदूरों और छोटे व्यवसायियों को प्रभावित करेगा। यह संकट शायद कई वर्षों में न देखी गई तीव्रता के साथ आने वाला है; आगे एक बहुत कठिन दौर है। ठोस कदम उठाने के बजाय, नरेंद्र मोदी देश को विदेश यात्रा न करने के लिए कह रहे हैं, जबकि वे स्वयं विश्व भ्रमण पर निकले हैं। इस बीच, ईंधन की कीमतों में हालिया वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को मौजूदा आर्थिक संकट को 'मोदी सरकार द्वारा निर्मित संकट' करार दिया।

पेट्रोल, डीजल, सीएनजी में वृद्धि से जूझ रही जनता की मुश्किलें और बढ़ाएंगी केमिस्ट स्ट्राइक, टैक्सी, ऑटो स्ट्राइक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में महंगाई बम तो फूट ही रहा है, साथ ही अब हड़तालों से आम जनता की परेशानी और बढ़ने जा रही है। हम आपको बता दें कि पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की लगातार बढ़ती कीमतों ने जहां लोगों का घरेलू बजट बिगाड़ दिया है, वहीं अब दवा दुकानदारों और व्यावसायिक वाहन चालकों के विरोध प्रदर्शन ने परिवहन और दवा आपूर्ति जैसी जरूरी सेवाओं पर भी असर डालने की आशंका पैदा कर दी है। आने वाले दिनों में लोगों को सफर से लेकर दवाइयों तक के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

हम आपको बता दें कि देशभर के केमिस्ट और दवा विक्रेता संगठनों ने 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। अखिल भारतीय केमिस्ट और ड्रगिस्ट संगठन, जो करीब 12.4 लाख दवा विक्रेताओं, फार्मासिस्टों और वितरकों का प्रतिनिधित्व करता है, उसने सरकार से दो अधिसूचनाएं वापस लेने की मांग की है। संगठन का आरोप है कि इन नियमों की वजह से ऑनलाइन दवा कंपनियां बिना सख्त निगरानी के काम कर रही हैं। इससे गलत और फर्जी पर्चियों पर दवाइयां बेचे जाने का खतरा बढ़ गया है। संगठन का कहना है कि ऑनलाइन दवा कंपनियों को पारंपरिक मेडिकल दुकानों की तरह ही सख्त नियमों के दायरे में लाया जाना चाहिए।

दवा विक्रेताओं के संगठन ने विशेष रूप से जीएसआर 817 और जीएसआर 220 अधिसूचनाओं पर आपत्ति जताई है। हम आपको बता दें कि जीएसआर 817 करीब आठ वर्ष पहले ऑनलाइन फॉर्मेसी के लिए नियामक ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से लाया गया मसौदा था, लेकिन न तो इसे पूरी तरह लागू किया गया और न ही वापस लिया गया। दूसरी ओर जीएसआर 220 कोविड महामारी के दौरान घर तक दवाइयां पहुंचाने की अस्थायी व्यवस्था के रूप में लागू किया गया था। अब संगठन का आरोप है कि ऑनलाइन कंपनियां इसी का फायदा उठाकर बिना स्पष्ट कानूनी ढांचे के कारोबार कर रही हैं। दवा दुकानदारों का कहना है कि बड़ी कंपनियां भारी छूट देकर बाजार में असमान प्रतिस्पर्धा पैदा कर रही हैं, जिससे छोटे दुकानदारों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है।

उधर दिल्ली-एनसीआर में टैक्सी और ऑटो चालक संगठनों ने भी 21 से 23 मई तक तीन दिवसीय हड़ताल का ऐलान कर दिया है। चालकों की मांग है कि बढ़ती महंगाई और ईंधन कीमतों को देखते हुए टैक्सी और ऑटो किराए में तत्काल वृद्धि की जाए।

सनातन धर्म पर बोले राजा भैया – 'सभी मुसलमान हिंदू थे, डरपोक लोगों ने बदला धर्म'

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कुंडा से विधायक और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रमुख रघुराज प्रताप सिंह के एक बयान ने राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है। उनके भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। राजयागराज में आयोजित एक रामकथा कार्यक्रम में राजा भैया ने दावा किया कि कमजोर, लालची और डरपोक लोग इस्लाम में परिवर्तित हो गए और कहा कि सभी मुसलमान मूल रूप से हिंदू हैं।

सभा को संबोधित करते हुए राजा भैया ने हिंदुओं से एकजुट रहने का आग्रह किया और कहा कि मुसलमान भी कभी हिंदू थे, जिन्होंने बाद में अपना धर्म बदल लिया। उन्होंने कहा कि जो लोग धर्म के प्रति समर्पित रहे और त्याग करते रहे, वे ही आज के हिंदुओं के पूर्वज हैं। द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के एक नेता द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणी का जिक्र करते हुए राजा भैया ने कहा कि कुछ नेताओं ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से की है और इसके उन्मूलन की मांग की है।

उन्होंने आगे दावा किया कि अगर इस्लाम के खिलाफ इसी तरह की टिप्पणियां की गई होतीं तो व्यापक विरोध प्रदर्शन और फतवे जारी किए जाते। राजा भैया ने कहा कि हिंदुओं को न केवल धार्मिक ज्ञान प्राप्त करना चाहिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए अपने धर्म, संस्कृति और सभ्यता की रक्षा के लिए भी तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई हमारे लिए कोई और नहीं लड़ेगा। हमें खुद ही लड़नी होगी। उन्होंने जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर हिंदुओं में एकता की अपील की। उन्होंने यह नारा भी दोहराया कि जातिगत भेदभाव को भूल जाओ, हम सब हिंदू भाई हैं।

ईंधन की कीमतों में वृद्धि पर कांग्रेस का पीएम मोदी पर करारा वार, 'चुनाव खत्म, अब महंगाई की मार'

नई दिल्ली, एजेंसी। ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कांग्रेस ने मंगलवार को उन्हें 'महंगाई का आदमी' करार दिया और आरोप लगाया कि चुनाव समाप्त होने के बाद सरकार सुनियोजित तरीके से आम जनता पर बोझ डाल रही है। विपक्षी दल ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने आर्थिक बोझ आम नागरिकों पर डालने के लिए ईंधन की कीमतों में लगातार भारी वृद्धि की है।

कांग्रेस पार्टी ने कहा कि महंगाई के देवता मोदी ने जनता पर फिर प्रहार किया है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 90 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। मोदी ने पिछले चार दिनों में कीमतों में 4 रुपये की वृद्धि की है। इस वृद्धि के साथ, देश में पेट्रोल की कीमत 109 रुपये और डीजल की कीमत 96 रुपये हो गई है। यह तो बस शुरुआत है। चुनाव खत्म हो चुके हैं, इसलिए महंगाई का देवता और भी ज्यादा मुनाफा कमाएगा। मंगलवार को देशभर में ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि देखी गई, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में औसतन 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई।

दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 87 पैसे बढ़कर 97.77 रुपये से 98.64 रुपये प्रति लीटर हो गई, जबकि डीजल की कीमत में 91 पैसे की वृद्धि हुई और यह 90.67 रुपये से बढ़कर 91.58 रुपये प्रति लीटर हो गई। मुंबई में पेट्रोल की कीमत में 91 पैसे की वृद्धि हुई और यह 107.59 रुपये प्रति लीटर हो गई, वहीं डीजल की कीमत में 94 पैसे की वृद्धि हुई और यह 94.08 रुपये प्रति लीटर हो गई। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 82 पैसे बढ़कर 104.49 रुपये प्रति लीटर हो गई, वहीं डीजल की कीमत में 86 पैसे की वृद्धि हुई और यह 96.11 रुपये प्रति लीटर हो गई।

कोलकाता में पेट्रोल की कीमत में 96 पैसे की वृद्धि हुई और यह 109.70 रुपये प्रति लीटर हो गई, वहीं डीजल की कीमत में 94 पैसे की वृद्धि हुई और यह 96.07 रुपये प्रति लीटर हो गई। एक सप्ताह से भी कम समय में यह दूसरी बार ईंधन की कीमतों में वृद्धि है। इससे पहले, केंद्र सरकार ने 15 मई को देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की थी।

'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' वाले पीएम मोदी पेमा खांडू पर चुप क्यों? कांग्रेस का सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने मंगलवार को सवाल उठाया कि सीबीआई जांच जारी होने के बावजूद अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू अभी भी मुख्यमंत्री पद पर क्यों बने हुए हैं। उन्होंने X पर एक पोस्ट में बताया कि मुख्यमंत्री के परिवार को पिछले दस वर्षों में 1,270 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल, 2026 को सुप्रीम कोर्ट की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सीबीआई को उन आरोपों की प्रारंभिक जांच शुरू करने का निर्देश दिया था कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के परिवार को जनवरी 2015 से दिसंबर 2025 तक 10 वर्षों में 1,270 करोड़ रुपये के ठेके सीधे हितों के टकराव में दिए गए थे। अपने पोस्ट में रमेश ने लिखा कि यह किसी निचली अदालत या उच्च न्यायालय का आदेश नहीं है। यह सर्वोच्च न्यायालय का आदेश है। फिर भी मुख्यमंत्री अपने पद पर बने हुए हैं। वे सार्वजनिक परिवहन एवं विकास मंत्री भी हैं और उन फाइलों को नियंत्रित करते हैं जिनकी सीबीआई को अपनी जांच के लिए आवश्यकता होगी। 6 अप्रैल, 2026 को सर्वोच्च न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सीबीआई को उन आरोपों की प्रारंभिक जांच शुरू करने का निर्देश दिया था कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के परिवार को जनवरी 2015 से दिसंबर 2025 तक 10 वर्षों में 1,270 करोड़ रुपये के ठेके सीधे तौर पर दिए गए थे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का अहम फैसला : अपराध की गंभीरता से नहीं रुकेगी किशोर की जमानत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि अपराध की गंभीरता के आधार पर किशोर की जमानत अर्जी खारिज नहीं की जा सकती। यह अपराध की स्थिति व किशोर की भूमिका पर निर्भर करेगा।

इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकल पीठ ने फिरोजाबाद के एक मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा पारित आदेश को निरस्त करते हुए किशोर की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है।

इससे पहले किशोर न्याय बोर्ड और विशेष अदालत (पाक्सो एक्ट) ने आरोपित किशोर की जमानत खारिज कर दी थी, जिसके खिलाफ हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की गई थी। अदालत ने किशोर न्याय अधिनियम की धारा 12 का हवाला देते हुए कहा कि किसी नाबालिग को जमानत देने से केवल तीन परिस्थितियों में ही इन्कार किया जा सकता है। पहला यदि उसकी रिहाई से वह अपराधियों के संपर्क में आ सकता हो, दूसरा नैतिक या मानसिक खतरे में पड़ सकता हो और न्याय की प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका हो।

कोर्ट ने पाया कि जिला प्रोबेशन अधिकारी की रिपोर्ट में ऐसी कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं थी और किशोर का कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है। इस तथ्य को भी देखा कि किशोर जनवरी 2025 से बाल सुधार गृह में निरुद्ध है। कोर्ट ने उसे 20 हजार रुपये के निजी मुचलके और दो प्रतिभूति लेकर रिहा करने का आदेश देते हुए गवाहों को प्रभावित न करने समेत कई शर्तें लगाई हैं।

बिजली कटौती से उड़ी नींद... भड़के लोग, हरूनगला उपकेंद्र का घेराव कर किया हंगामा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली में बिजली कटौती से आक्रोशित उपभोक्ताओं ने सोमवार रात 11:30 बजे हरूनगला उपकेंद्र का घेराव कर हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान एसडीओ, लाइनमैन समेत तीन कर्मियों ने दरवाजा बंद करके खुद को बचाया। पवन विहार में 18 घंटे में 48 बार बिजली ट्रिप हुई। नींद नहीं पूरी होने की वजह से उपभोक्ताओं में बेचैनी व चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। विद्युत निगम में शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही है।

हरूनगला उपकेंद्र फ्लैश ओवर होने से आक्रोशित उपभोक्ताओं ने उपकेंद्र पर पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। सब स्टेशन ऑफिसर अमर सिंह की सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और भीड़ को हटाया। पुलिस के जाने के बाद 100-150 की संख्या में लोगों ने फिर उपकेंद्र को घेर लिया। देर रात तक एसएसओ, लाइनमैन, कुली उपकेंद्र के अंदर बंद रहे। इसके अलावा सिविल लाइन तृतीय उपकेंद्र भी रात 11 बजे के बाद ओवरलोडिंग की वजह से ठप हो गया।

कालीबाड़ी क्षेत्र में भी कटौती

रामपुर बाग उपकेंद्र से जुड़े कालीबाड़ी क्षेत्र में रविवार रात सात बजे ट्रांसफार्मर के तार में खराबी आने के कारण लाइट चली गई। उपभोक्ता रोहित राजपूत ने बताया कि छह घंटे तक हेल्प डेस्क का नंबर तो चार घंटे तक एसडीओ का मोबाइल नंबर व्यस्त जाता रहा। सुबह लाइनमैन ने आकर फॉल्ट ठीक किया। इस दौरान लोगों को 15 घंटे तक बिजली कटौती झेलनी पड़ी। मोहल्ले के राजकुमार अन्ना ने कुछ दिनों पहले गंभीर बीमारी का ऑपरेशन करा रखा है। रातभर वह गर्मी से तड़पते रहे। कुल 250 घरों की आपूर्ति प्रभावित रही। हरूनगला उपकेंद्र से जुड़े पवन विहार में रविवार 12 बजे से ट्रिपिंग की समस्या बनी रही। आलम यह रहा है कि 10 मिनट के लिए लाइट आती तो एक घंटे के लिए गुल हो जाती। इससे करीब एक हजार उपभोक्ताओं ने जागकर रात काटी। हरूनगला उपकेंद्र के कृष्णा नगर फेज टू में भी उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज की समस्या से जूझना पड़ा।

पूरी रात ट्रिपिंग की समस्या रही

दुर्गानगर उपकेंद्र से जुड़े एसएस पब्लिक स्कूल वाली गली में रविवार सुबह 12 बजे से फेस उड़ने के कारण रात नौ बजे तक लाइट नहीं रही। आने के बाद भी पूरी रात ट्रिपिंग की समस्या ने उपभोक्ताओं को जगाए रखा। अधिशासी अभियंता नितिन कुमार ने बताया कि समस्याओं के निस्तारण के लिए टीम लगाई गई है।

बिजली आपूर्ति सुचारु न हुई तो देंगे धरना

हरूनगला उपकेंद्र से जुड़े 50 हजार उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए सपा नेताओं ने एसई धर्मेंद्र सिंह से मुलाकात की। निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष हैदर अली ने क्षेत्र में कई दिनों से फॉल्ट, ट्रिपिंग की समस्या से लोगों की परेशानी साझा की। इस मौके पर जहीर खान, अमित कुमार सागर आदि मौजूद रहे।

बालेन सरकार के बुलडोजर एक्शन से भारत को खतरा, नेपाल बॉर्डर पर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। नेपाल में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और सरकारी जमीनों पर कब्जे के खिलाफ चल रहे बुलडोजर अभियान के बाद भारत-नेपाल सीमा से जुड़े जिलों में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

उत्तर प्रदेश पुलिस की अभिसूचना इकाई नेपाल बार्डर (एनबी) शाखा की रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि नेपाल में बढ़ते दबाव और कार्रवाई के चलते वहां रह रहे रोहिंग्या मुसलमान रोजगार और शरण के लिए अवैध रूप से भारतीय सीमा में प्रवेश करने की कोशिश कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल सरकार पूरे देश में अवैध निर्माण, झुग्गी-झोपड़ियों और सरकारी जमीनों पर कब्जों के खिलाफ अभियान चला रही है। इस कार्रवाई के तहत बुलडोजर से ध्वस्तीकरण किया जा रहा है। नेपाली सेना ने भी संबंधित निकायों से अवैध बस्तियों और झुग्गी-झोपड़ियों का विस्तृत आंकड़ा मांगा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि काठमांडू के कपन क्षेत्र समेत नेपाल के विभिन्न हिस्सों में रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों पर दबाव बढ़ता जा रहा है। हिंदूवादी संगठनों द्वारा नेपाल में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों की बस्तियों को हटाने की मांग की जा रही है। नेपाल सरकार की कार्रवाई, सेना के डाटा संकलन और हिंदूवादी संगठनों के विरोध के कारण रोहिंग्या के सामने रोजगार, आवास और आजीविका का संकट गहराने लगा है।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि अधिकांश रोहिंग्या मुसलमान उर्दू के साथ नेपाली भाषा भी सीख चुके हैं। कई लोगों द्वारा अवैध तरीके से पहचान पत्र बनवाने की जानकारी भी सामने आई है। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यही वजह है कि सीमावर्ती इलाकों में उनकी पहचान कर पाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। नेपाल में बलरामपुर जिले की सीमा से सटे गढ़वा गांव पालिका के कोईलावास वार्ड नंबर-8 में अवैध बस्तियों का चिन्हांकन भी शुरू कर दिया गया है। वहां के वर्तमान प्रधान अब्दुल खालिक सिद्दीकी इस कार्रवाई का विरोध कर रहा है और अवैध रुप से रहने वालों को कानूनी अधिकार व जमीन के दस्तावेज देने की मांग कर रहा है।

खुफिया एजेंसियों ने आशंका जताई है कि नेपाल में प्रतिकूल हालात बनने पर रोहिंग्या और बांग्लादेशी सीमावर्ती रास्तों का इस्तेमाल कर भारतीय सीमा में प्रवेश की कोशिश कर सकते हैं। इसी को देखते हुए सीमावर्ती जिलों में निगरानी बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और खुफिया नेटवर्क को सक्रिय करने के निर्देश दिए गए हैं।

डीएम इंद्रजीत सिंह की अनोखी पहल

सुल्तानपुर। जनपद में ग्रामीण विकास कार्यों को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने एक नई और अनोखी पहल शुरू की है। अब जिले की सभी ग्राम पंचायतों के पिछले पांच वर्षों में हुए विकास कार्यों का पूरा ब्यौरा मॉनिटरिंग पीपीटी रिपोर्ट के माध्यम से तैयार किया जाएगा। इसमें ग्राम पंचायतों को प्राप्त धनराशि, खर्च की गई रकम, कराए गए विकास कार्यों और उनकी वर्तमान स्थिति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने इस कार्य के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी अभिषेक शुक्ला को निर्देशित किया है कि जनपद की सभी ग्राम पंचायतों से पांच वर्षों का विस्तृत डेटा एकत्र कर पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत कराया जाए। इसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार विकास भवन में ब्लॉकवार समीक्षा बैठक आयोजित होगी, जिसमें संबंधित पंचायत सचिव, खंड विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे।

जर्जर स्कूल की दीवार गिरने से मजदूर की मौत, दो घायल, जांच के आदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। दोस्तपुर थाना क्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय बनपुरवा में जर्जर बाउंड्री वॉल गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर घायल हो गए। मृतक की पहचान कटघरापट्टी निवासी हरिराम उर्फ समारू पुत्र शिवदास के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, मृतक का घर विद्यालय की बाउंड्री वॉल से सटा हुआ था। घर में मिट्टी डलवाने के लिए पहले स्कूल की दीवार के किनारे मिट्टी गिरवाई गई थी। जेसीबी से अधिकांश मिट्टी घर में भरवाने के बाद हरिराम बची हुई मिट्टी को दीवार के किनारे से हटा रहे थे। इसी दौरान जर्जर बाउंड्री वॉल अचानक भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दो अन्य मजदूर भी घायल हो गए। घटना की सूचना पर एसडीएम मंजुल मयंक मौके पर पहुंचीं और घटनास्थल का निरीक्षण किया। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शिवकुमार मौर्य ने बताया कि स्कूल की जर्जर बाउंड्री वॉल को लेकर पहले ही अधिकारियों को लिखित शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रधान पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि दीवार लंबे समय से जर्जर थी और कभी भी हादसे का कारण बन सकती थी। मृतक हरिराम मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। परिवार में उनके 15 वर्षीय जुड़वां बेटे रामू और श्यामू, विवाहित बेटियां पूजा (26) और रूपा (19), तथा अविवाहित बेटी रूमा (15) हैं।

जिलाधिकारी इंद्रजीत ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दीवार गिरने के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाएगी और यदि निर्माण कार्य या सुरक्षा मानकों में किसी प्रकार की लापरवाही पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि हादसे में विद्यालय के किसी भी बच्चे को नुकसान नहीं पहुंचा है और सभी बच्चे सुरक्षित हैं।

चौक घंटाघर पर आरओ युक्त वाटर कूलर का लोकार्पण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। भीषण गर्मी और हीटवेव को देखते हुए नगर पालिका परिषद सुलतानपुर द्वारा आमजन और राहगीरों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था लगातार सुदृढ़ की जा रही है। इसी क्रम में नगर के अत्यंत व्यस्त व्यवसायिक क्षेत्र चौक घंटाघर पर मंगलवार को आरओ युक्त वाटर कूलर का लोकार्पण पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन के साथ किया गया।

इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष ने बताया कि नगर पालिका परिषद द्वारा ग्रीष्म ऋतु में लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर निःशुल्क आरओ युक्त वाटर कूलर स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले पयागीपुर चौराहा (शौचालय के निकट), पर्यावरण पार्क, शाहगंज चौराहा (पुलिस चौकी के निकट), नगर पालिका गेट, जिला अस्पताल परिसर, कलेक्ट्रेट परिसर, तहसील कार्यालय शौचालय के पास, विवेक नगर चौराहा तथा दीवानी न्यायालय परिसर में आरओ युक्त वाटर कूलर लगाए जा चुके हैं। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि चौक घंटाघर क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में यहां शुद्ध एवं ठंडे पेयजल की व्यवस्था होने से व्यापारियों, राहगीरों और आम नागरिकों को काफी राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त नगर पालिका द्वारा बस स्टेशन आजाद पार्क के सामने, रेलवे स्टेशन गेट के बगल तथा विकास भवन गेट के पास छायादार शेड युक्त अस्थायी प्याऊ भी संचालित किए जा रहे हैं। इन प्याऊ पर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि आने-जाने वाले लोगों को निःशुल्क शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

लोकार्पण कार्यक्रम का संयोजन स्थानीय सभासद दिनेश चौरसिया ने किया। कार्यक्रम में राधेश्याम सोनी, आजाद सेठ, दिलीप बरनवाल, ओम शंकर बरनवाल, राजेश माहेश्वरी, राजकुमार जायसवाल, लड्डू सोनी, अमित बरनवाल, मनोजपुरी, विनय चौरसिया, सुनील चौरसिया, प्रमोद कौशल, पवन सोनी, रितेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राजकुमार यहां ढूंढ रहा था सुरक्षित ठिकाना, राज से मिला लिंक, ये भी बलिया का रहने वाला

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ (41) की हत्या के चौथे आरोपी को सीबीआई ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली-देहरादून हाईवे के छपार पकड़ा गया राजकुमार सिंह बलिया जिले का निवासी है। वह हरिद्वार से गंगा स्नान करके कार से परिवार के साथ लौट रहा था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट से 24 घंटे के ट्रांजिट रिमांड पर सीबीआई टीम आरोपी को लेकर चली गई। मंगलवार की शाम सवा पांच बजे तक आरोपी को उत्तर 24 परगना के बारासात स्थित एसीजेएम कोर्ट में पेश किया जाएगा।

छह मई की रात कोलकाता के मध्यम ग्राम में चंद्रनाथ की हत्या की गई थी। पुलिस ने 11 मई को अयोध्या से बलिया के आनंदनगर निवासी राज सिंह उर्फ चंदन समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोपी चंदन से पूछताछ के बाद सीबीआई ने यूपी और उत्तराखंड में जाल बिछाया।

रविवार रात डिप्टी एसपी राजेश कुमार टीम के साथ छपार टोल प्लाजा पहुंचे। सोमवार तड़के करीब पांच बजे एक कार को रुकवाकर चेकिंग की गई। स्थानीय पुलिस की मदद से सीबीआई ने बलिया के रासड़ा थाना क्षेत्र के गांव रातोपुर निवासी राजकुमार सिंह को पकड़ लिया और छपार थाने ले गई। करीब पांच घंटे की पूछताछ के बाद जानकारी हाथ लगी।

राजकुमार हरिद्वार में ढूंढ रहा था ठिकाना

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में पकड़ा गया राजकुमार सिंह ठिकाना बदलने की फिराक में था। पहले वह बलिया से फरीदाबाद में पहुंचा और अब हरिद्वार में सुरक्षित इंतजाम की तलाश में था। एसएसपी संजय वर्मा ने बताया कि सीबीआई की जांच के बाद ही अन्य तथ्य प्रकाश में आएंगे। छपार पुलिस के सहयोग से आरोपी को टोल पर पकड़ा गया। आरोपी दो महिलाओं के अलावा अपने पिता के साथ फ्रॉक्स कार में सवार होकर वापस फरीदाबाद लौट रहा था। टोल पर चेकिंग के दौरान पुलिस और सीबीआई की टीम से बचने का प्रयास किया लेकिन लंबी पूछताछ के बाद आरोपी ने अपनी पहचान स ्वीकार की।

इन आरोपियों की हो चुकी गिरफ्तारी

सीबीआई और कोलकाता पुलिस ने बलिया के आनंद नगर निवासी राज सिंह को अयोध्या-बस्ती राजमार्ग से गिरफ्तार किया था। इसके अलावा बिहार के बक्सर के रहने वाले उसके दो साथियों मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब चौथे आरोपी राजकुमार सिंह को छपार टोल प्लाजा से पकड़ा गया है।

राज सिंह से मिला राजकुमार सिंह का लिंक

अयोध्या से गिरफ्तार किए गए राज सिंह का कोलकाता पुलिस ने 13 दिन का रिमांड लिया था। माना जा रहा है कि राज सिंह से पूछताछ में राजकुमार सिंह का लिंक मिला। इसके बाद उसकी तलाश शुरू हुई। उत्तर 24 परगना के बारासात स्थित कोर्ट में आरोपी को पेश कर सीबीआई रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।

11 मई को हुई थी राज सिंह की गिरफ्तारी

बलिया शहर के आनंद नगर निवासी 25 वर्षीय राज सिंह को पश्चिम बंगाल पुलिस ने 11 मई को अयोध्या से गिरफ्तार किया था। राज सिंह हाई प्रोफाइल और लग्जरी जीवनशैली जी रहा था। इन सब के लिए उसके पास पैसा कहां से आता था, पुलिस इसकी जांच कर रही है। राज की मां जामवंती देवी डाकघर रसड़ा में कार्यरत हैं। पिता स्व. केशव सिंह शिक्षक थे। राज तीन लग्जरी वाहनों से चलता था और उसके आसपास बंदूक लेकर निजी सुरक्षाकर्मी व सहयोगी चलते थे।

भारत में दहेज हत्या से जुड़े आधे से ज्यादा मामलों में नहीं हो पाती सजा

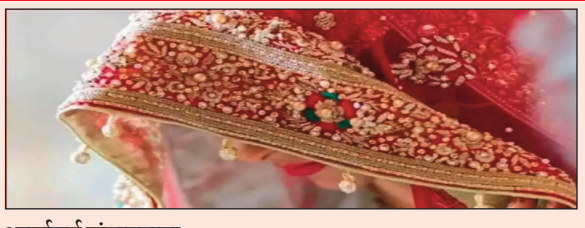

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। देश में दहेज उत्पीड़न और विवाहिताओं की हत्या के मामले कम होने के नाम नहीं ले रहे हैं। भोपाल में मॉडल और अभिनेत्री दिशा शर्मा की ससुराल में मौत तो वहीं दहेज उत्पीड़न से तंग आकर नोएडा में एक महिला की खुदकुशी ने इस कलंक को फिर से उजागर कर दिया है। देश में दहेज पर अंकुश को लेकर कड़े कानून बनाए गए हैं, लेकिन इसके अमल पर कहीं न कहीं ढिलाई बरती जाती है और यही वजह है कि ऐसे मामले आज भी सामने आ जाते हैं।

भारत में दहेज से जुड़ी बढ़ती घटनाओं और हत्याओं पर अंकुश लगाने के लिए बहुत पहले ही कड़े कानून बना दिए गए थे। दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 ये 2 बड़े कानून हैं जिसमें दहेज की बुराई से निपटने के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं।

दहेज को लेकर कई कड़े प्रावधान

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 80 (पहले भारतीय दंड संहिता की धारा 304-B) खासतौर से शादी के 7 सालों के अंदर होने वाली दहेज से जुड़ी मौत के मामलों पर लागू होती है, जबकि कानून के कई अन्य प्रावधान, भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 (पहले IPC की धारा 498-A)—विवाह की अवधि चाहे जो भी हो, दहेज की मांग को लेकर की जाने वाली क्रूरता और उत्पीड़न के खिलाफ विवाहिता महिला को सुरक्षा प्रदान करते रहते हैं। दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 किसी तरह से दहेज देने या लेने पर रोक लगाता है और इसके लिए कड़े दंड का प्रावधान करता है, ताकि महिलाओं को दहेज संबंधी उत्पीड़न से बचाया जा सके। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), 2023 आपराधिक मामलों, जिनमें दहेज से जुड़े मामले भी शामिल हैं, की त्वरित जांच और सुनवाई का प्रावधान करती है।

दहेज हत्या मामले में सबसे अधिक सजा सुनाने वाले राज्य, NCRB 2021

क्रम संख्या (CON)	राज्य	ट्रायल पूरी (CTC)	सजा सुनाने की दर (CVR)	दोषसिद्ध मामले
1	बिहार	179	128	71.50%
2	झारखंड	81	47	58.30%
3	उतार प्रदेश	753	439	58.00%
4	राजस्थान	203	98	48.30%
5	पंजाब	26	11	42.30%
6	उत्तराखंड	17	6	35.80%
7	मध्य प्रदेश	380	136	35.30%
8	छत्तीसगढ	32	11	34.40%
9	तमिलनाडु	44	12	27.30%
10	कर्नाटक	56	14	25.00%

UP-बिहार से आते हैं सबसे अधिक केस

हालांकि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़े बताते हैं कि कड़े कानूनी प्रावधान होने के बाद भी ज्यादातर मामलों में दोषियों को सजा भी नहीं मिल पाती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि बड़ी संख्या में दहेज हत्या से जुड़े मामले उत्तर प्रदेश और बिहार से आते हैं।

NCRB की ओर से जारी 2023 के आंकड़ों के आधार पर साल 2019 में दहेज हत्या से जुड़े मामलों की संख्या 7,141 थी, जबकि इसमें 2021 में गिरावट देखी गई। 2020 में जहां 6,966 मामले दर्ज किए गए तो वहीं 2021 में घटकर 6,753 केस हो गए।

70 फीसदी से अधिक केस 5 राज्यों में

दहेज हत्या से जुड़े 70 फीसदी मामले अकेले 5 राज्यों में दर्ज हुए। इसमें सबसे अधिक उत्तर प्रदेश और बिहार में सामने आए। यूपी में साल 2019 में 2,410, 2020 में 2,274 और 2021 में 2,222 केस आए। हालांकि इसमें मामूली गिरावट देखी गई है, लेकिन अभी भी यह संख्या 2 हजार से अधिक है। बिहार में 2021 में 1,000 केस दर्ज किए गए थे। इसके बाद मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में दहेज से जुड़े मामले सामने आए।

मामला दर्ज होने और सजा सुनाए जाने के आंकड़ों पर नजर डालें तो इसमें बहुत अंतर दिखता है। NCRB के मुताबिक, साल 2021 में देशभर में दहेज से जुड़े 6,753 केस दर्ज किए गए जिसमें महज 2,252 केसों की सुनवाई पूरी हो सकी। इस तरह से 67 फीसदी केस पेंडिंग में हैं।

दहेज हत्या से जुड़े अभी भी हजारों केस

यही हाल साल 2020 का भी रहा। इस साल 6,843 केस दर्ज किए गए, जबकि 2,071 केस की ही सुनवाई पूरी हो सकी। इस तरह से 4,772 यानी 69.74% केस अभी भी पेंडिंग हैं। हालांकि 2019 में दर्ज 7,006 मामलों में से 49.8% (3,489 केस) की सुनवाई पूरी हो गई थी। बिहार में दहेज से जुड़े मामलों में सजा सुनाने की दर (Case Conviction Rate यानी CVR) सबसे अधिक है। NCRB के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 में बिहार में यह दर सबसे अधिक 71.5 फीसदी रही। 1,000 दर्ज मामलों में 179 केसों की सुनवाई पूरी हुई और 128 मामलों में सजा सुनाई गई। इसी तरह उत्तर प्रदेश में 2,222 केसों में से 753 केसों की सुनवाई पूरी हुई तो 439 केसों में फैसला आया। इस तरह यहां 58.3 की दर रही।

पूर्वोत्तर राज्यों में दहेज हत्या की बीमारी नहीं

10 केसों से अधिक सजा सुनाने के मामले में झारखंड तीसरे नंबर पर रहा और यहां 58 फीसदी केस का फैसला आया। सुनवाई के दौरान कम CVR का मतलब आमतौर पर या तो कमजोर सबूत, लंबे समय तक केस का चलना, या गवाहों का अपने बयान से मुकर जाना होता है। दहेज के बढ़ते मामले ज्यादातर उत्तर और पूर्वी राज्य हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में कुल मिलाकर हर साल 5000 से अधिक दहेज से जुड़े केस सामने आते हैं। जबकि पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में यह बीमारी नहीं है। साल 2021 में मेघालय, सिक्किम, मिजोरम और नागालैंड में दहेज के एक भी मामले नहीं हैं जबकि मणिपुर में 2 केस दर्ज हुए। हालांकि असम में 198 मामले सामने आए थे जिसमें 20 की सुनवाई पूरी हो गई थी।

एक्सप्रेसवे क्रांति से बदल रहा यूपी, तेजी से बढ़ रहा ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की ओर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मजबूत नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश के भीतर इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी आधारित विकास का सबसे बड़ा रोल मॉडल बनकर उभरा है। कभी खराब सड़कों और पिछड़ेपन के लिए जाना जाने वाला यूपी आज 'एक्सप्रेसवे स्टेट' के रूप में दुनिया के सामने अपनी नई पहचान बना चुका है। राज्य सरकार के दूरदर्शी विजन का ही नतीजा है कि वर्ष 2014 में जहाँ पूरे प्रदेश में केवल 93 किलोमीटर नियंत्रित एक्सप्रेसवे नेटवर्क था, वह वर्ष 2026 तक बढ़कर 3,052 किलोमीटर तक पहुंच गया है। एक्सप्रेसवे नेटवर्क में हुई यह करीब 3,182 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि केवल चमचमाती सड़कों की कहानी नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश को ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने की दिशा में एक बड़ी आर्थिक क्रांति का शंखनाद है।

उत्तर प्रदेश में निर्मित पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और अब तेजी से आकार ले रहे गंगा एक्सप्रेसवे जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स ने पूरे सूबे की भौगोलिक और आर्थिक दूरियों को पाट दिया है। गाजीपुर से दिल्ली तक का सफर, जिसमें पहले 15 से 20 घंटे का लंबा समय और भारी परेशानी होती थी, अब महज 10 घंटे में सिमट गया है। वहीं, मेरठ को सीधे प्रयागराज से जोड़ने वाला निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे पश्चिमी और पूर्वी यूपी के बीच यात्रा के समय को लगभग आधा कर देगा, जिससे ईंधन और समय दोनों की बड़ी बचत हो रही है।

'ट्रिपल एस' मॉडल: एक्सप्रेसवे के किनारे सज रहे इंडस्ट्रियल क्लस्टर

योगी सरकार ने एक्सप्रेसवे निर्माण को केवल सुगम यातायात तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि इसे औद्योगिक विकास के एक मजबूत इंजन में तब्दील कर दिया है। सरकार 'सुरक्षा, स्थिरता और गति' के सिद्धांत पर काम करते हुए इन एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ औद्योगिक पार्क, लॉजिस्टिक्स हब और विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZs) विकसित कर रही है। उदाहरण के तौर पर, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे आज उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे की रीढ़ बन चुका है। झांसी और चित्रकूट जैसे बुंदेलखंड के सुदूर क्षेत्रों में रक्षा उत्पादन इकाइयां लगने से वहां निवेश और स्थानीय रोजगार की बाढ़ आ गई है। इसके साथ ही 'एक जनपद एक उत्पाद' (ODOP) के उत्पादों, जैसे कन्नौज के इत्र और कानपुर के चमड़े को इन रास्तों से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक तेजी से पहुंचाया जा रहा है।

गांवों तक पहुंचा समृद्धि का रास्ता; GDP छूने जा रही नया रिकॉर्ड

इस एक्सप्रेसवे क्रांति की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसका आर्थिक लाभ सिर्फ महानगरों तक सीमित नहीं है। लिंक एक्सप्रेसवे और सुदृढ़ ग्रामीण सड़कों के जाल के जरिए सुदूर गांवों और छोटे कस्बों को भी मुख्य मार्ग से जोड़ा गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के किसान अपने फल, सब्जियां और दुग्ध उत्पाद बेहद कम समय में बड़े शहरों की मंडियों तक सुरक्षित पहुंचा पा रहे हैं, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। बेहतरीन लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी के दम पर वित्तीय वर्ष 2026-27 तक उत्तर प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) करीब 39.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। इसके साथ ही, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिए मिले 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के संभावित निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने में यह एक्सप्रेसवे नेटवर्क सबसे बड़ा आधार सिद्ध हो रहा है, जो उत्तर प्रदेश को देश की सबसे मजबूत आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर है।

सरोजनीनगर में बंद घरों को निशाना बनाने वाले शातिर चोर गिरोह का पर्दाफाश

लखनऊ। राजधानी के सरोजनीनगर क्षेत्र में बंद घरों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले शातिर गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए एक ही परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के जेवरात, नगदी, बुलेट मोटरसाइकिल, स्कूटी, टीवी और डीवीआर समेत बड़ी मात्रा में सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी लंबे समय से चोरी की वारदातों में सक्रिय थे और उनके खिलाफ लखनऊ के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।पुलिस के मुताबिक, सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में हाल के दिनों में बंद घरों में ताला तोड़कर चोरी की कई घटनाएं सामने आई थीं। मोहल्ला गंगानगर अमौसी निवासी गायत्री सिंह की तहरीर पर मुकदमा संख्या 175/2026 दर्ज किया गया था। आरोप था कि 20 अप्रैल से 13 मई 2026 के बीच अज्ञात चोर घर का ताला तोड़कर जेवरात और नगदी चोरी कर ले गए।

बड़े मंगल पर राजधानी में भक्ति और सेवा का उत्सव, विभिन्न धार्मिक आयोजनों में पहुंचीं महापौर सुषमा खर्कवाल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ज्येष्ठ माह के पावन तृतीय बड़े मंगल के अवसर पर राजधानी लखनऊ में आयोजित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों, सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारों में महापौर सुषमा खर्कवाल शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया तथा प्रभु श्रीराम और संकटमोचन हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त कर शहरवासियों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।महापौर ने हजरतगंज स्थित मीडिया प्वाइंट पर उत्तर प्रदेश फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित विशाल भंडारे में सहभागिता की। यहां उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया और सभी को बड़े मंगल की शुभकामनाएं दीं।इसके बाद महापौर गोमतीनगर स्थित सहारा बाजार के निकट वेब सिनेमा, विभूति खंड में आयोजित 17वें विशाल भंडारे में पहुंचीं। इस अवसर पर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजक एवं भाजपा नेता प्रदीप सिंह बब्बू द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों की महापौर ने सराहना की।इसी क्रम में महापौर इंदिरानगर स्थित सी-ब्लॉक, अग्रवाल प्लाजा में सीता मईया रसोई द्वारा आयोजित 22वें सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे में शामिल हुईं। यहां उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री संदीप पाठक, पूर्व पार्षद प्रत्याशी मैथिलीशरण गुप्त वार्ड तथा आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।महापौर इंदिरानगर स्थित 17/153 में अखिल भारतीय राष्ट्रीय स्नातक संघ के तत्वावधान में आयोजित सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे में भी पहुंचीं। इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि राम कुमार वर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।इसके बाद महापौर मालवीय नगर, ऐशबाग स्थित ममता चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 17वें विशाल भंडारे में शामिल हुईं। कार्यक्रम में भाजपा अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं ममता चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक-अध्यक्ष राजीव मिश्रा सहित कई लोग उपस्थित रहे।अलीगंज स्थित रवींद्र गार्डन, सेक्टर-ई में आयोजित विशाल भंडारे में भी महापौर ने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर आयोजक अजय कुमार गुप्ता, वरिष्ठ संवाददाता अजय दुबे और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।भूतनाथ क्षेत्र में लखनऊ व्यापार मंडल के तत्वावधान में तीसरे बड़े मंगल पर आयोजित 30वें विशाल भंडारे में भी महापौर ने सहभागिता की। इस अवसर पर व्यापार मंडल के पदाधिकारी देवेंद्र गुप्ता, अरविंद पाठक, उत्तम कपूर, लवकुश राजानी, मोहित गर्ग, नदीम खान, गौरव अग्रवाल, ऋषभ गुप्ता और संदीप रस्तोगी समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

आयुष्मान योजना से प्रदेश में 50 लाख से अधिक मरीजों को मिला मुफ्त इलाज, 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

लखनऊ। प्रदेश सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बीच आयुष्मान भारत योजना गरीबों और जरूरतमंदों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश में अब तक 50 लाख 40 हजार 937 आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों ने कुल 91 लाख 87 हजार 418 बार इलाज कराया है। मरीजों के उपचार के लिए 15 हजार 140 करोड़ रुपये से अधिक का क्लेम किया गया, जिनमें से अब तक 13 हजार 315 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।राज्य स्वास्थ्य अभिकरण (साचीज) की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बताया कि प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सबसे अधिक भुगतान बरेली जिले के लाभार्थियों के इलाज पर किया गया है।

सुशांत गोल्फ सिटी में युवती की हत्या का खुलासा, पूर्व मित्र गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के सुषांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में जंगल में मिली 22 वर्षीय युवती की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए उसके पूर्व पुरुष मित्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने युवती की दूसरे युवक से बढ़ती नजदीकियों से नाराज होकर पहले गला घोंटा और फिर ईंट से सिर कूचकर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ने युवती का मोबाइल फोन नहर में फेंक दिया था, ताकि सबूत मिटाए जा सकें।पुलिस के मुताबिक, 18 मई 2026 को थाना सुषांत गोल्फ सिटी पुलिस को सूचना मिली थी कि आवास विकास योजना उतरेटिया रेलवे लाइन के निकट जंगल में एक अज्ञात महिला का शव पड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देखा कि महिला के सिर पर गंभीर चोटों के कई निशान थे, जिससे प्रथम दृष्टया सिर कूचकर हत्या किए जाने की आशंका जताई गई।जांच के दौरान शव की पहचान पीजीआई थाना क्षेत्र के रक्षाखंड एल्डिको उद्यान-2 निवासी 22 वर्षीय शिवानी के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार, शिवानी 17 मई की सुबह करीब 10 बजे काम के सिलसिले में घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। मृतका की मां गीता की तहरीर पर थाना सुषांत गोल्फ सिटी में अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में थाना सुषांत गोल्फ सिटी की चार पुलिस टीमों के साथ सर्विलांस टीम को भी जांच में लगाया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से जांच आगे बढ़ाई। इसी दौरान मृतका के पूर्व मित्र प्रेम कुमार मांझी का नाम प्रकाश में आया, जिसे सेक्टर-8 अंडरपास शहीद पथ के नीचे से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी प्रेम कुमार मांझी ने बताया कि वह पिछले सात-आठ वर्षों से शिवानी के संपर्क में था।

जल जीवन मिशन में डिजिटल पारदर्शिता का नया मॉडल बनी 'जल सारथी' ऐप

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'जल सारथी' मोबाइल ऐप ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की निगरानी, शिकायत निवारण और गुणवत्ता परीक्षण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। यह डिजिटल पहल न केवल विभागीय कार्यों को पारदर्शी बना रही है, बल्कि ग्रामीणों को भी अपने गांव में चल रही जल योजनाओं की वास्तविक स्थिति जानने का अवसर दे रही है।ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और नमामि गंगे से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, 'जल सारथी' ऐप के माध्यम से कोई भी व्यक्ति जल जीवन मिशन की परियोजनाओं का लाइव अपडेट देख सकता है। मल्टी लेवल डैशबोर्ड प्रणाली के जरिए राज्य स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक चल रहे कार्यों की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध कराई जा रही है। इससे आम नागरिकों को भी यह जानकारी मिल रही है कि उनके गांव में पानी की टंकी, पाइपलाइन या घरेलू नल कनेक्शन का कार्य किस स्थिति में है।विशेष सचिव एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन तथा नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग प्रभास कुमार ने बताया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों की लगभग 58 हजार ग्राम पंचायतों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए करीब 40 हजार परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इन सभी परियोजनाओं को ऐप के साथ ऑनलाइन जोड़ा जा रहा है।

संग्रहालय नई पीढ़ी को संस्कृति और विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम : जयवीर सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि संग्रहालय केवल प्राचीन वस्तुओं को संरक्षित रखने का केंद्र नहीं हैं, बल्कि देश की सभ्यता, संस्कृति और विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम भी हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में युवाओं को अपनी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। जयवीर सिंह अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य संग्रहालय एवं निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संग्रहालयों के माध्यम से समाज अपनी ऐतिहासिक धरोहर, कला और संस्कृति को समझ सकता है तथा नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने में सहायता मिलती है।पर्यटन मंत्री ने बताया कि अवकाश के दिनों में संग्रहालयों में निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक से अधिक लोग यहां पहुंचकर प्रदेश की संस्कृति और इतिहास को नजदीक से जान सकें। उन्होंने इस अवसर पर 'विजिट माय स्टेट' अभियान का भी उल्लेख किया और कहा कि यह पहल युवाओं को अपने प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराने में सहायक सिद्ध होगी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया।कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकार संगीता गुप्ता ने 'आदियोगी शिव : ए जर्नी इन कॉस्मिक इंडिगो' प्रदर्शनी की जानकारी देते हुए कहा कि नील यानी इंडिगो का भारतीय इतिहास और महात्मा गांधी के स्वतंत्रता आंदोलन से गहरा संबंध रहा है। उन्होंने कहा कि कला के माध्यम से इतिहास और अध्यात्म को नई पीढ़ी तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सकता है।अपर निदेशक संस्कृति निदेशालय सृष्टि धवन ने बताया कि इस वर्ष अब तक लगभग 85 हजार विद्यार्थियों ने राज्य संग्रहालय का भ्रमण किया है, जो युवाओं में संग्रहालयों और सांस्कृतिक धरोहरों के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि संग्रहालयों को शैक्षिक और रचनात्मक गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।राज्य संग्रहालय एवं लोक कला संग्रहालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतर विद्यालय निबंध प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और विश्वविद्यालय स्तरीय कैनवास चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए।प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सरस्वती विद्यालय कन्या इंटर कॉलेज, लखनऊ की नेहा रावत ने प्रथम, अंबुज ने द्वितीय तथा वैष्णवी यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में बाल निकुंज इंटर कॉलेज, मड़ियांव के वीरेंद्र प्रथम, भूमि वर्मा द्वितीय और दिव्या वर्मा तृतीय स्थान पर रहीं।

○ संक्षेप ○

बीबीएयू में पीजी पाठ्यक्रमों के प्रवेश हेतु पंजीकरण शुरू, 7 जून अंतिम तिथि

लखनऊ। बीबीएयूने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना में कहा गया है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित पीजी प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद पात्र अभ्यर्थी प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए प्रवेश पुस्तिका (एडमिशन प्रॉस्पेक्टस) और छात्रावास (हॉस्टल) नियमावली विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है, जिससे विद्यार्थी प्रवेश प्रक्रिया, पाठ्यक्रम, शुल्क और छात्रावास संबंधी नियमों की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकें।पंजीकरण शुल्क सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 500 रुपये निर्धारित किया गया है। वहीं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों को 300 रुपये शुल्क देना होगा।विश्वविद्यालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार आवेदन की अंतिम तिथि 7 जून 2026 तय की गई है।

बकरीद को लेकर गोसाईगंज थाने में पीस कमेटी की बैठक, सौहार्द और शांति बनाए रखने की अपील

लखनऊ। आगामी बकरीद पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को थाना गोसाईगंज परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों तथा सम्भ्रांत लोगों के साथ संवाद कर त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने पर चर्चा की।बैठक की अध्यक्षता प्रशिक्षु आईपीएस सारिका चौधरी एवं प्रभारी निरीक्षक गोसाईगंज डी.के. सिंह ने की। इस दौरान उपस्थित लोगों से बकरीद पर्व को आपसी भाईचारे, शांति और सामाजिक सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने से बचने के लिए जागरूक किया।

बड़े मंगल पर फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन के भंडारे में पहुंचे अखिलेश यादव, बोले- गंगा-जमुनी तहजीब और भाईचारा हमारी पहचान

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मंगलवार को ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगल के अवसर पर हजरतगंज चौराहा स्थित मीडिया प्वाइंट पर उत्तर प्रदेश फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित भंडारे में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया।अखिलेश यादव ने भंडारे में पहुंचकर भगवान हनुमान का आशीर्वाद लिया तथा आयोजन में शामिल लोगों से मुलाकात की। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, लखनऊ मध्य क्षेत्र के विधायक रविदास मेहरोत्रा, पूर्व ओएसडी आशीष यादव, सोनू यादव सहित बड़ी संख्या में फोटो जर्नलिस्ट, पत्रकार और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम में वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट और पत्रकारों में सुशील सहाय, मनोज छाबड़ा, नंद कुमार, दीप चंद्र गुप्ता, विकास बाबू, हृदेश चंदेल, रंगनाथ तिवारी, अर्जुन साहू, मोहम्मद इमरान, सुनील कुमार रैदास, शुभम त्रिपाठी, प्रमोद शर्मा, रितेश यादव, सुमित कुमार, नईम अंसारी, आशुतोष त्रिपाठी, शरद शुक्ला, रूपेश कुमार, एरिक थमसन, आजम हुसैन, असफाक, शिवसरन सिंह, भारत सिंह, शिव विजय सिंह, स्वपन पाल, संदीप रस्तोगी, विशाल श्रीवास्तव, अरुण शर्मा 'बबलू' और फूलचंद सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि मंगलवार का दिन भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना का दिन होता है और लखनऊ में कई स्थानों पर आयोजित भंडारों में बड़ी संख्या में लोग श्रद्धा के साथ शामिल होते हैं।

निगोहां में राहगीर से लूट का खुलासा, 24 घंटे के भीतर एक आरोपी गिरफ्तार, लूटी गई बाइक बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के निगोहां क्षेत्र में ड्यूटी से घर लौट रहे युवक के साथ मारपीट कर मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और नगदी लूटने की घटना का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटी गई स्पलेन्डर मोटरसाइकिल के साथ घटना में प्रयुक्त होंडा लीवो बाइक भी बरामद की है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।पुलिस के अनुसार, रायबरेली जनपद के थाना बछरावां क्षेत्र अंतर्गत ग्राम एवं पोस्ट सेहगो पश्चिम निवासी अजीत सिंह ने 17 मई 2026 को थाना निगोहां में तहरीर देकर बताया कि वह मोहनलालगंज स्थित एलजी वेयरहाउस में कार्य करता है। ड्यूटी समाप्त करने के बाद वह अपनी स्पलेन्डर मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। देर रात करीब 3:20 बजे जब वह निगोहां थाना क्षेत्र के ग्राम लालपुर स्थित दखिना टावर के पास पहुंचा, तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी बाइक रुकवा ली। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और उसकी मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन तथा जेब में रखे 500 रुपये लूटकर फरार हो गए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए निगोहां थाने में तत्काल मुकदमा संख्या 51/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में घटना के अनावरण और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया।जांच के दौरान पुलिस टीमों ने घटनास्थल से लेकर रायबरेली जनपद तक 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी विश्लेषण के आधार पर घटना में प्रयुक्त होंडा लीवो मोटरसाइकिल की पहचान की गई। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर संदिग्धों की तलाश तेज की गई।पुलिस को सफलता उस समय मिली जब मुखबिर की सूचना पर 18 मई 2026 को निगोहां से नगराम जाने वाले मार्ग पर नहरिया के पास मीरकनगर जाने वाले रास्ते से हरिओम तिवारी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी रायबरेली जनपद के थाना डीह क्षेत्र स्थित ग्राम पुरे लोकई का पुरवा का निवासी है और पेंटिंग का कार्य करता है। उसके कब्जे से वादी से लूटी गई स्पलेन्डर मोटरसाइकिल बरामद की गई।पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह अपने साथियों लवकुश यादव और पंकज तिवारी के साथ गुडंबा क्षेत्र में किराये पर रहकर पेंटिंग का काम करता है।

निगोहां में विवाहिता की आत्महत्या मामले में पति गिरफ्तार, दहेज उत्पीड़न का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के निगोहां क्षेत्र में विवाहिता की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने दहेज उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना के आरोप में मृतका के पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मृतका ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। परिजनों की तहरीर पर पति, सास और ससुर के खिलाफ दहेज प्रतिषेध अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी भारतीय सेना में तैनात बताया जा रहा है।पुलिस के मुताबिक, 15 मई 2026 को थाना निगोहां पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम कांटा करौदी में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच में पता चला कि 29 वर्षीय अमीषा यादव ने अपने घर के कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।मामले ने नया मोड़ तब लिया जब 17 मई 2026 को मृतका के भाई धीरेन्द्र विक्रम राज सिंह ने थाना निगोहां में तहरीर देकर आरोप लगाया कि अमीषा यादव ने वर्ष 2022 में विक्रांत यादव से प्रेम विवाह किया था। दोनों ने अपनी मर्जी से कोर्ट मैरिज की थी, लेकिन शादी के कुछ समय बाद पति, सास और ससुर द्वारा दहेज की मांग को लेकर मृतका को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा।तहरीर में आरोप लगाया गया कि दहेज की मांग पूरी न होने पर मृतका को मायके में ही जीवन बिताने की धमकी दी जाती थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की विदेश यात्रा के कूटनीतिक निहितार्थ भारत के लिए महत्वपूर्ण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच देशों के हालिया विदेश दौरे के कई बड़े कूटनीतिक, आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक मायने हैं। क्योंकि मई 2026 में उनका यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध, सप्लाई चेन अस्थिरता और नए वैश्विक ध्रुवीकरण से गुजर रही है। लिहाजा, पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

पहला, ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि भारत दुनिया का बड़ा तेल आयातक देश है। ईरान संकट और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे समय में यूएई दौरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है। लिहाजा भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण, एलपीजी (LPG) सप्लाई, ऊर्जा निवेश, समुद्री सुरक्षा जैसे अहम समझौते हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत भविष्य के किसी बड़े वैश्विक ऊर्जा संकट के लिए खुद को सुरक्षित करना चाहता है।

दूसरा, पश्चिम एशिया में भारत की रणनीतिक पकड़ बढ़ रही है, क्योंकि यूएई ने पीएम मोदी का असाधारण स्वागत किया- एफ-16 एस्कॉर्ट और राष्ट्रपति स्तर की अगवानी- यह दिखाता है कि भारत अब केवल "तेल खरीदने वाला देश" नहीं बल्कि एक रणनीतिक साझेदार बन चुका है। इसके मायने ये निकलते हैं कि पाकिस्तान की पारंपरिक खाड़ी पकड़ कमजोर होगी और भारत की अरब देशों में स्वीकार्यता बढ़ती जाएगी। इससे रक्षा और टेक्नोलॉजी सहयोग का विस्तार भी होगा।

तीसरा, यूरोप के साथ नई तकनीकी साझेदारी विकसित होगी, क्योंकि नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे का चयन बहुत रणनीतिक माना जा रहा है। चूंकि इन देशों से भारत सेमीकंडक्टर तकनीक, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई (AI) और रक्षा तकनीक और आर्कटिक एवं समुद्री सहयोग को मजबूत करना चाहता है। विशेषकर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत चीन पर निर्भरता कम करना चाहता है। इसलिए इस पहल के अपने रणनीतिक मायने हैं।

चौथा, चीन और अमेरिका दोनों को संतुलित संदेश देने के लिए पीएम मोदी का यह दौरा "मल्टी-अलाइनमेंट" नीति का हिस्सा भी है, इससे अमेरिका के साथ साझेदारी, रूस से संबंध, अरब देशों से सामरिक निकटता, यूरोप के साथ तकनीकी सहयोग, चीन के प्रभाव का संतुलन बढ़ेगा। चूंकि भारत यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बल्कि स्वतंत्र वैश्विक शक्ति है।

पांचवां, भारत को निवेश हब बनाने की कोशिश यूएई द्वारा भारत में 5 अरब डॉलर निवेश की घोषणा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ सकता है। यह "मेक इन इंडिया" और "भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब" बनाने की रणनीति से जुड़ा है।

छठा, घरेलू राजनीति के संकेत के नजरिए से दिलचस्प बात यह है कि एक तरफ पीएम मोदी जनता से ईंधन बचाने, विदेशी यात्राएं कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ खुद बड़े वैश्विक दौरे कर रहे हैं। इसका राजनीतिक संदेश यह जाएगा कि कठिन वैश्विक समय में सक्रिय नेतृत्व पीएम दे रहे हैं और भारत संकट में भी वैश्विक केंद्र बना हुआ है। इससे पीएम मोदी की व्यक्तिगत कूटनीतिक छवि मजबूत होकर चमकेगी।

सातवां, भारत की वैश्विक छवि निर्माण के दृष्टिकोण से यह दौरा यह दिखाने का प्रयास भी है कि भारत केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि ऊर्जा, तकनीक, व्यापार और सुरक्षा में निर्णायक वैश्विक खिलाड़ी बन रहा है। विशेषकर G20 के बाद भारत अपनी "विश्व नेतृत्व" छवि को स्थायी बनाना चाहता है। इसके संभावित दीर्घकालिक प्रभाव भारत के लिए अहम साबित हो सकते हैं, क्योंकि इससे जहां ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना रहेगी।

साथ ही रक्षा-तकनीकी सहयोग विस्तार से वैश्विक प्रभाव में वृद्धि होगी। भारत की यह नई चाल चीन के लिए यूरोप और खाड़ी में भारत की सक्रियता चीन के प्रभाव को चुनौती दे सकती है। जबकि पाकिस्तान के लिए खाड़ी देशों में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता रणनीतिक दबाव बढ़ा सकती है। वहीं, यूरोप के लिए चीन के विकल्प के रूप में भारत की अहमियत बढ़ेगी। जबकि अमेरिका के लिए भारत एक आवश्यक रणनीतिक साझेदार बना रहेगा, भले ही वह पूरी तरह अमेरिकी धड़े में न जाए।

भगवान बुद्ध का संदेश 2500 वर्ष बाद भी कितना प्रासंगिक है ?

पूरी दुनिया को तत्कालीन समय में शांति का पाठ पढ़ाने वाले भगवान गौतम बुद्ध ने कहा था कि शांति और अहिंसा ही मानव जीवन का कल्याण कर सकती है।

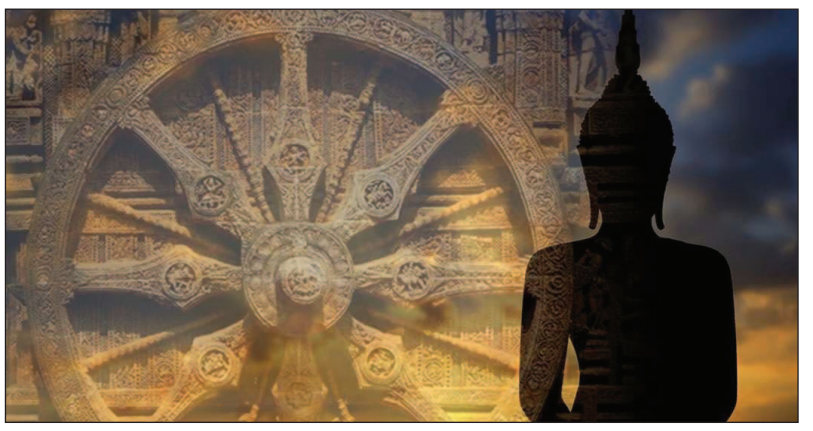

अजय दीक्षित

भगवान बुद्ध का संदेश आज की दुनिया में कितना प्रासंगिक है। इस बात इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि ईसाई, मुस्लिम धर्म के बाद सबसे अधिक अनुयायि बौद्ध धर्म के है। जिसमें चाइना, जापान, इंडोनेशिया, मलेशिया, ताई वान, आदि देश शामिल है। भगवान गौतम बुद्ध का जन्म लुंबिनी नेपाल में 563 बी सी को शाक्य कुल में राजा शुद्धोधन के वहां हुआ था। उनकी मृत्यु कुशीनगर (भारत) में 80 वर्ष की आयु में हुई थी।। भगवान गौतम बुद्ध का बचपन का नाम सिद्धार्थ था।जब वे 17 वर्ष के थे तो उनका विवाह राजकुमारी अंग राज्य यशोधरा से हो गया था। लेकिन राजकुमार सिद्धार्थ का मन राजकाज में नहीं लगता था। ये देखकर शुद्धोधन परेशान थे।वे अक्सर राजप्रासाद से निकलकर जंगल में रहते थे।एक दिन उन्होंने देखा कि कुछ लोग एक बूढ़े बीमार आदमी को ले जा रहे थे। कुछ दिन बाद उन्होंने एक अर्थी देखी तो पूछा इसे कहां ले जा रहे हो वे पीछे पीछे गए। अर्थी जब जलाया गया तो उनका मान सासारिक विरक्ति में चला गया। बाद उन्हें एक पेड़ के नीचे बैठ कर सच्चे ज्ञान की उपलब्धि हुईं। बुद्ध ने ईसा से पूर्व 500वर्ष पहले शांति का पाठ पढ़ाया उनकी मृत्यु कुशीनगर अस्सी साल की आयु में हुई।

उन्होंने कलिंग से निकलकर पूरे जम्बूद्वीप का दौरा किया। आज जिसे इंडोनेशिया, मलेशिया, ताई, वान, चियान,में कई मठ, अंग्लई, स्थापित किए। तिब्बत में वे काफी समय रहे। पूरी दुनिया को तत्कालीन समय में शांति का पाठ पढ़ाने वाले भगवान गौतम बुद्ध ने कहा था कि शांति और अहिंसा ही मानव जीवन का कल्याण कर सकती है। भगवान् बुद्ध ने कहा है कि युद्ध किसी भी सूरत में उचित नहीं होता है। कलिंग युद्ध में जीतने के बाद सम्राट अशोक ने अपने सेनापति के साथ युद्ध भूमि का दौरा किया था और देखा कि लाखों सैनिक मरे हुए पड़े हैं किसी धड से सिर अलग पड़ा है। हजारों सैनिक गम्भीर रूप घायल है और बेबस पड़े हैं इन सैनिकों में उनके भी है। यह दृश्य देखकर वे अपने आप में घृणा से भर गए ,मन ही मन सोच रहे थे कि इस युद्ध से मुझे क्या मिला और उन्होंने अपना मुकुट उतारकर रथ से फेंक दिया।यह सब सेनापति चार्वाक भी देख रहा था वह रोने लगता है क्योंकि उसका पुत्र भी मारा गया था।

सम्राट अशोक ने राजमहल में जा कर राजप्रासाद पर सिर फोड़ा और वे पश्चाताप ब ग्लानि से भर गए।उनका शरीर कंपन कर रहा था।वे जंगल की तरफ भागे और भागते गए ,उनकी सांस फूल रही थी लेकिन मन कह रहा था कि राजन तुम भीषण दोषी हो। भागकर एकदम से बुद्ध की एंग्लोई के आगे गिर पड़े । बुद्ध शांत मुद्रा में थे , ध्यान में उनका मन आवाज सुनकर एकदम से हरकत में आया तो पाया कि सम्राट अशोक पड़े हैं। उनके सेवक यशुदास ने कलिंग सम्राट को खड़ा किया तो उनका शरीर बुरी तरह कंपन कर रहा था।

सम्राट अशोक रो रहे थे। बुद्ध समझ गए। उन्होंने कलिंग सम्राट को पानी पिलाया और सुबह मिलने बात कह कर ध्यान में लग गए। सम्राट अशोक रात भर रोते रहे सुबह उन्होंने बुद्ध से संन्यास ले कर जीवन व्यतीत कर ने बात कही और इस तरह एक शक्ति का पराभव हुआ । लेकिन वे सम्राट अशोक थे जो धर्म पर चलने वाले राजा थे शुद्धोधन के पुत्र थे।इस लिए उन्होंने अपनी जिम्मेदारी ली। युद्धों के इतिहास में राम रावण युद्ध भी था जिसमें रावण ने सीता का हरण किया था। लेकिन वह राम से लड़कर बीर गति प्राप्त करना चाहता था जबकि उसे मालूम था कि वह जीतेगा नहीं लेकिन राम ने जब मर्यादा पुरुषोत्तम का पाठ पढ़ाया था।एक युद्ध महाभारत का द्वापर में हुआ जो अन्याय के खिलाफ लड़ा गया जिसका उद्देश्य भगवान श्री कृष्ण ने गीता के माध्यम से दिया। भगवान गौतम बुद्ध ने पूरे संसार को शांति का पाठ दिया। लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में ईरान अमेरिका युद्ध क्रूड ऑयल, गैस, टैंकरों, हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र के लिए लड़ा जा रहा है। मुस्लिम कुरान में हजरत पैगंबर मोहम्मद साहब और ईसा माशीह ने बाइबल में शांति का संदेश ही दिया है। मगर ईरान के मौजसफा खमनोई, और यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप अपने पैगंबर को नहीं मानते हैं यद्यपि ईसाई धर्म प्रमुख पॉप लियो ने भी यही कहा कि युद्ध में बच्चे मारे जा रहे हैं और धर्म आधारित नहीं है यह युद्ध।पॉप लियो ने कहा कि अमेरिका के लोगों को प्रतिनिधित्व पर दबाब डालना चाहिए क्योंकि यह ईरान अमेरिका युद्ध मानवता के खिलाफ है। विश्व में हुती, हिजबुल्लाह,हमास, अलकायदा,जेश ए तोयबा, मुजाहिद्दीन,लश्कर ए तोयबा,

बलूचिस्तान आर्मी, ऐसे संगठन है जो किसी न किसी देश द्वारा प्रॉक्सी ग्रुप है।गाजा में इसराइल ने 3 वर्ष में दो लाख बच्चों को मौत के घाट उतार दिया। इसराइल 17 वर्ष से फिलिस्तीन में हमला जमीन पर कब्जा कर रहा है। और यह सब अमेरिका की शह पर हो रहा है। अमेरिका बेतहाशा हथियारों को बनाने वाला देश है। इसराइल को अमेरिका ने 20 वर्ष से मिसाइल, लड़ाकू विमानों का जखीरा उपलब्ध करवाया है। भगवान गौतम बुद्ध का संदेश 2500 वर्ष बाद लगभग अप्रासंगिक हो गया है क्योंकि समाज में हिंसा, अशांति का माहौल है। लेकिन भगवान् बुद्ध का संदेश हमेशा प्रासंगिक ही रहेगा।

टिप्पणी

भारत की संभावनाओं पर लगते ग्रहण का परिणाम

सात साल बाद बर्नस्टीन रिसर्च ने प्रधानमंत्री को अपनी दूसरी चि_ी लिखी है, जिसमें वह भारत को लेकर चिंता में डूबा नजर आया है। इसमें उसने भारत की विकास कथा के लिए खड़ी कठिन चुनौतियों पर रोशनी डाली है।

अंतरराष्ट्रीय इक्विटी रिसर्च एवं ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने पत्र लिख कर प्रधानमंत्री को उन गंभीर आर्थिक स्थितियों से आगाह किया है, जो भारत की विकास कथा के लिए खतरा बन रही हैं। इसी फर्म ने 2019 के आम चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के बाद भी नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। तब बर्नस्टीन भारत की संभावनाओं को लेकर आशावादी थी। तब उसने कहा था कि पूंजी मुहैया करवा कर बैंकिंग सिस्टम को दुरुस्त कर लिया जाए और दिवालिया संहिता (आईबीसी कोड) को कारगर बना दिया जाए, तो आर्थिक विकास की पटरी पर भारत तेज रफ्तार से दौड़ सकता है।

अब सात साल बाद बर्नस्टीन रिसर्च भारत को लेकर गहरी चिंता में डूबा नजर आया है। उसने भारत की विकास कथा के लिए खड़ी चुनौतियों पर रोशनी डाली है। कहा है कि रोजगार का प्रश्न अब चक्रीय नहीं रहा, बल्कि यह भारत के अस्तित्व से जुड़ गया है। बर्नस्टीन ने कहा है कि भारतीय कृषि 1970 के दशक के नीति-जाल में अटकी हुई है। नतीजतन, जीडीपी में 15-16 प्रतिशत योगदान के बावजूद इस पर श्रम शक्ति का 42-45 प्रतिशत हिस्सा निर्भर है। पत्र में आगाह किया गया है कि भारत के सामने यह स्थायी खतरा खड़ा है, जिससे वह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का निर्माता नहीं, बल्कि उपभोक्ता भर बन कर रह जाएगा।

उधर मैनुफैक्चरिंग में गहराई के अभाव में देश की महत्त्वाकांक्षाएं ठोस आधार नहीं पा सकी हैं। जिन क्षेत्रों में निर्यात बढ़ा है, उनमें भी चीनी पाट-पुर्जों पर 30-40 प्रतिशत निर्भरता बनी हुई है। बर्नस्टीन ने चेताया है कि नकदी ट्रांसफर की योजनाओं की आई बाढ़ के कारण भारत के निम्न उत्पादकता वाला देश बने रह जाने की स्थिति बन रही है। और आखिर में बर्नस्टीन ने दो-टूक कहा है कि कोई देश अनुसंधान एवं विकास पर अपनी जीडीपी का महज 0.6- 0.7 प्रतिशत खर्च कर विकसित नहीं हो सकता। ये वो बातें हैं, जिनकी ओर देश के लिए चिंतित वर्ग अक्सर ध्यान खींचता है। मगर अब खास बात यह है कि वित्तीय पूंजीवाद की प्रमुख वैश्विक संस्थाएं भी वही बात कहने लगी हैं। यह भारत की संभावनाओं पर लगते ग्रहण का परिणाम है।

ब्लॉग

भारत के बच्चों को भोजन के अलावा भी और चीजों की आवश्यकता है

डॉ. सरथ गोपालन

कुछ समय पहले मेरे क्लिनिक में पांच साल की एक बच्ची लाई गई। वह अपनी उम्र के बच्चों की तुलना में विकास के कई चरणों में पीछे लग रही थी। उसकी बोलने की गति धीमी थी और वह अपने हमउम्र बच्चों जितनी सक्रिय या जुड़ी हुई नहीं दिख रही थी। उसके विकास के आकलन में वह तीन साल की बच्ची के स्तर पर पाई गई। उसकी मां बहुत चिंतित थीं। बच्ची बीमार नहीं थी। कोई ऐसी बीमारी या निदान नहीं था जो इसकी वजह समझा सके। लेकिन जब हमने कोविड-19 के पिछले दो वर्षों के बारे में बात की, तो तस्वीर साफ होने लगी। लंबे लॉकडाउन के कारण स्कूल बंद रहे, वह ज्यादातर समय घर पर रही, खेल की जगह स्क्रीन ने ले ली और भोजन पहले की तुलना में अधिक साधारण और सीमित हो गया। उन शांत वर्षों में उसके मस्तिष्क को वह सब नहीं मिल पाया जिसकी उसे बढ़ने के लिए जरूरत थी। वह कोई अपवाद नहीं थी। अलग-अलग क्लिनिकों में बाल रोग विशेषज्ञ और विकास विशेषज्ञ एक ही तरह की स्थिति देख रहे थे-ऐसे बच्चे जो शारीरिक रूप से स्वस्थ थे, लेकिन विकास में पीछे रह गए थे। यह वायरस की वजह से नहीं था, बल्कि उसके बाद पैदा हुई परिस्थितियों की वजह से था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मस्तिष्क का 90त्न विकास पांच वर्ष की आयु से पहले ही हो जाता है, जिससे प्रारंभिक वर्ष बच्चे के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और सामाजिक भविष्य को आकार देने का सबसे बड़ा अवसर बन जाते हैं। इस दौरान बनने वाले तंत्रिका संबंध सीखने, भाषा, स्मृति और जीवन भर के लिए लचीलेपन को मजबूत करते हैं। इस अवधि में सही पोषण प्राप्त करना सबसे शक्तिशाली निवेशों में से एक है जो हम कर सकते हैं। आयरन, जिंक और सेलेनियम जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व, जिन्हें अक्सर तंत्रिका पोषक तत्व कहा जाता है, स्वस्थ मस्तिष्क विकास और कार्य के लिए आवश्यक हैं। फिर भी आंकड़े एक चिंताजनक कहानी बयां करते हैं। अकेले आयरन की कमी भारत में पांच वर्ष से कम आयु के लगभग 50त्न बच्चों को प्रभावित करती है (एनएफएचएस-5)। पांच वर्ष से कम आयु के 67.1त्न बच्चों में एनीमिया दर्ज किया गया, जो पिछले सर्वेक्षण से अधिक है। 12-59 महीने की आयु के बच्चों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि विश्लेषण सहित हाल के साक्ष्यों से पता चला है कि 60त्न से अधिक बच्चों में एनीमिया के साथ या उसके बिना सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी थी। यह अकेले हीमोग्लोबिन की संख्या से कहीं अधिक व्यापक पोषण संबंधी अंतर की ओर इशारा करता है।

डोकोसाहेक्सानोइक एसिड (डीएचए), एक ओमेगा-3 फैटी एसिड, मस्तिष्क की संरचना, स्मृति निर्माण और दृश्य विकास में सहायक होता है। कोलीन, एक अन्य आवश्यक पोषक तत्व, अब मस्तिष्क के विकास के लिए अनिवार्य माना जाता है। जब माताएं गर्भावस्था के दौरान कोलीन का सेवन करती हैं, तो यह स्वस्थ जीन गतिविधि और कोशिका संरचना, तथा मस्तिष्क के प्रमुख क्षेत्रों - जिनमें स्मृति और चिंतन के लिए जिम्मेदार क्षेत्र शामिल हैं - के विकास में सहायक होता है। ये पोषक तत्व बच्चे के आहार में वैकल्पिक नहीं हैं, बल्कि उनकी क्षमता के लिए मूलभूत हैं।

बच्चे के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण पोषण संबंधी हस्तक्षेप जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। मस्तिष्क का विकास भ्रूण अवस्था में ही शुरू हो जाता है, और मां की पोषण स्थिति सीधे तौर पर उस तंत्रिका आधार को आकार देती है जिससे बच्चा जन्म लेता है। डीएचए गर्भ में तंत्रिका संपर्क को सहारा देता है; गर्भावस्था के दौरान आयरन और फोलिक एसिड का सेवन कम जन्म वजन और विकास में देरी के जोखिम को कम करता है। फिर भी, भारत में केवल 44त्न गर्भवती महिलाओं ने अनुशंसित 180 या उससे अधिक दिनों तक आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंट का सेवन किया (एनएफएचएस-5), जो एक बहुत बड़ा और लक्षित करने योग्य अवसर प्रस्तुत करता है।

यही कारण है कि किशोरियों में निवेश करना अगली पीढ़ी में निवेश करना है। एक स्वस्थ लड़की स्वस्थ मां बनती है, और एक स्वस्थ मां अपने बच्चे को सर्वोत्तम संभव शुरुआत देती है। भारत में 59त्न किशोरियों में एनीमिया की समस्या है, इसलिए स्कूलों, सामुदायिक कार्यक्रमों और लक्षित पूरक आहार के माध्यम से इस समूह को प्राथमिकता देना संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा में प्रभावी उपायों में से एक है। हालांकि पोषण महत्वपूर्ण है, मस्तिष्क के विकास के लिए दो समानांतर इनपुट आवश्यक हैं: पर्याप्त पोषण और भावनात्मक-सामाजिक उत्तेजना। महामारी ने इसे सशक्त रूप से प्रदर्शित किया। यूनिसेफ का अनुमान है कि वैश्विक स्तर पर सात में से एक बच्चे ने कोविड-19 के दौरान विकास या सीखने में महत्वपूर्ण हानि का अनुभव किया, जो मुख्य रूप से बीमारी के कारण नहीं, बल्कि साथियों के साथ मेलजोल, बातचीत और खेल की कमी के कारण हुआ। स्क्रीन ने मानवीय संपर्क का स्थान ले लिया, और भाषा, शारीरिक और सामाजिक विकास प्रभावित हुआ।

संवेदनशील देखभाल, मौखिक संवाद, स्पर्श संबंधी जुड़ाव और एक उत्तेजक वातावरण तंत्रिका तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं और स्वस्थ मस्तिष्क संरचना के लिए आवश्यक हैं। प्रारंभिक बचपन के कार्यक्रम जो पोषण संबंधी सहायता और विकासात्मक उत्तेजना दोनों को एकीकृत करते हैं, ऐसे परिणाम देते हैं जो इनमें से कोई भी अकेले प्राप्त नहीं कर सकता। भारत की कार्यक्रम संरचना इस पर अमल करने के लिए अच्छी स्थिति में है। पोषण अभियान और पीएम पोषण जैसे कार्यक्रम पहले से ही देश भर में लाखों माताओं और छोटे बच्चों तक पहुंच रहे हैं। पोषण पखवाड़ा जैसी पहल पोषण के इर्द-गिर्द निरंतर, सामुदायिक स्तर पर लामबंदी की शक्ति को दर्शाती है। वितरण संरचना, जिसमें आंगनवाड़ी नेटवर्क, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी और सामुदायिक स्तर पर पहुँच शामिल है, स्थापित है। अब अवसर यह है कि इस ढांचे से मिलने वाले लाभों को और अधिक बढ़ाया जाए।

उचित प्रशिक्षण और सहयोग से, वे शारीरिक विकास पर नज़र रखने से लेकर माता-पिता को प्रारंभिक प्रोत्साहन, संवेदनशील देखभाल और बाल विकास प्रथाओं पर मार्गदर्शन देने तक अपनी भूमिका का विस्तार कर सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के नर्चरिंग केयर फ्रेमवर्क को एकीकृत करना, जो पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा, प्रारंभिक शिक्षा और देखभाल को एक सुसंगत इकाई में जोड़ता है, इस विकास के लिए एक स्पष्ट और वैज्ञानिक रोडमैप प्रदान करता है। यह लक्ष्य को केवल बच्चों को भोजन कराने से आगे बढ़ाकर उन्हें वास्तव में फलने-फूलने में मदद करने की ओर ले जाता है। शुरुआती बचपन में पोषण किसी भी देश के लिए सबसे अधिक लाभ देने वाला निवेश है। जब बच्चों को उनके विकसित होते मस्तिष्क के लिए जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व, सही देखभाल का वातावरण और सही मानसिक व सामाजिक प्रोत्साहन मिलता है तो उसका लाभ पूरी जिंदगी मिलता है। ऐसे बच्चे बेहतर विद्यार्थी बनते हैं, आगे चलकर अधिक सक्षम और उत्पादक नागरिक बनते हैं, और समाज भी अधिक मजबूत और सक्षम बनता है। भारत के पास विकसित भारत का सपना है। उसके पास व्यवस्थाएं हैं। उसके पास विज्ञान है। अब जरूरत इस बात की है कि शुरुआती बचपन के पोषण को केवल कल्याणकारी योजना का हिस्सा न माना जाए, बल्कि उसे उस बुनियाद के रूप में देखा जाए, जिस पर बाकी सब कुछ टिका है।

(लेखक, नई दिल्ली के मधुकर रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में बाल चिकित्सा गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार और न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनएसआई) के अध्यक्ष हैं।)

बड़े मंगल पर विशाल भंडारे का आयोजन

सुलतानपुर। जेष्ठ माह के बड़े मंगल पर बल्दीराय तहसील क्षेत्र के अशरफपुर वलीपुर गांव में उस समय अनोखी तस्वीर देखने को मिली, जब मुस्लिम युवक और क्षेत्र पंचायत सदस्य कमर अब्बास ने विशाल भंडारे का आयोजन कर हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल पेश की। आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने छोला-पूड़ी और शर्बत का प्रसाद ग्रहण किया। बजरंगबली के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बड़े मंगल पर मुस्लिम युवक द्वारा कराए गए इस आयोजन की पूरे क्षेत्र में चर्चा रही। लोगों ने इसे गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक भाईचारे का जीवंत उदाहरण बताया। भंडारे में जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख और भाजपा नेत्री समेत कई जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर आयोजन की सराहना की। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेम, सौहार्द और एकता का संदेश देते हैं।

'मैं अब नहीं बचूंगी, श्यौराज तेरा नाश होगा...', संभल में विधवा महिला को रातोरात जिंदा जलाया, हुई मौत

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के गुन्नौर थाना क्षेत्र से दिल दहला देने वाली और इंसानियत को शर्मसार करने वाली वारदात सामने आई है। यहां के रसूलपुर गांव में दबंगों ने घर में घुसकर एक 44 वर्षीय विधवा महिला को पहले बेरहमी से पीटा, फिर कपड़े से उसका मुंह बांधकर डीजल छिड़ककर आग के हवाले कर दिया। गंभीर रूप से झुलसी महिला की दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। इस खौफनाक घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत और सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में मृत्युपूर्व दिए गए बयानों के आधार पर एक नामजद समेत दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

यह पूरी सनसनीखेज वारदात गुन्नौर थाना क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर की

है। मृतक महिला की पहचान 44 वर्षीय अनेकश्री पत्नी स्वर्गीय किशनपाल के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, देर रात कुछ हमलावर दीवार फांदकर महिला के घर में दाखिल हुए। उस वक्त महिला सो रही थी। आरोप है कि हमलावरों ने सोते समय ही महिला को दबोच लिया और दूसरे कमरे में ले जाकर उसके साथ जमकर मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए महिला का मुंह कपड़े से बांध दिया ताकि वह चिल्ला न सके, और फिर उस पर डीजल डालकर आग लगा दी।

बेटे के जागने पर भागे हमलावर

आग की लपटों के बीच महिला की दबी हुई चीख-पुकार सुनकर उसका 15 वर्षीय बेटा अचानक जाग गया। जब तक बेटा और परिवार के अन्य लोग शोर सुनकर मौके पर पहुंचे, तब तक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर वहां से फरार हो चुके थे। परिजन आनन-फानन में बुरी तरह झुलस चुकी अनेकश्री को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गुन्नौर लेकर भागे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद महिला की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे अलीगढ़ रेफर कर दिया। बाद में हालत और ज्यादा बिगड़ने पर उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां जिंदगी और मौत से लड़ते हुए आखिरकार महिला ने दम तोड़ दिया।

मरने से पहले पीड़िता ने खोला राज

इस मामले में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब मौत के आगोश में सोने से पहले पीड़िता अनेकश्री ने पुलिस और मजिस्ट्रेट को अपना मृत्युपूर्व बयान (डाइंग डिक्लेरेशन) दर्ज कराया। अपने आखिरी बयानों में दर्द से कराहती महिला ने मुख्य आरोपी का नाम लेते हुए कहा, "मैं अब नहीं बचूंगी, श्यौराज तेरा नाश होगा।" महिला के इस बयान ने पुलिस के लिए जांच की दिशा साफ कर दी है।

पुलिस प्रशासन का एक्शन

संभल के पुलिस अधीक्षक (SP) कृष्ण कुमार बिश्नोई ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बताया कि पीड़िता के मृत्युपूर्व दिए गए बयानों को आधार बनाकर पुलिस ने मुख्य आरोपी श्यौराज समेत दो लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस की कई टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस अधीक्षक ने साफ कहा है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही आरोपी सलाखों के पीछे होंगे।

अखंडनगर में पुलिस मुठभेड़, गोकशी का फरार आरोपी घायल होकर गिरफ्तार

सुलतानपुर। जिले के अखंडनगर थाना क्षेत्र में सोमवार-मंगलवार की रात पुलिस और गोकशी के वांछित आरोपी के बीच मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपी का इलाज सीएचसी अखंडनगर में चल रहा है।

अपर पुलिस अधीक्षक वृजनारायण सिंह ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गोकशी का फरार आरोपी मोहम्मद आसिफ बलेनो कार से क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना मिलते ही अखंडनगर पुलिस ने इलाके में घेराबंदी शुरू कर दी।पुलिस के मुताबिक, खुद को घिरता देख आरोपी आसिफ ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आसिफ के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा।

चाइल्डफंड इंडिया के सहयोग से इंटर कॉलेज में स्टेम लैब बनी बच्चों के नवाचार का केंद्र

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। चाइल्डफंड इंडिया के सहयोग से इंटरमीडिएट कॉलेज गौरा में पिछले वर्ष स्थापित स्टेम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथेमेटिक्स) लैब बच्चों के लिए प्रयोगात्मक शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र बन गई है। यहाँ छात्र-छात्राएं विज्ञान, गणित और तकनीक को मॉडल व प्रयोगों के माध्यम से व्यावहारिक रूप से सीख रहे हैं। हाल ही में कक्षा 10 के विद्यार्थियों ने क्प्ल (डू इट योरसेल्फ) गतिविधि के तहत "टू वे ट्रैफिक सिग्नल" मॉडल तैयार किया, जिससे उन्होंने ट्रैफिक सिग्नल की कार्यप्रणाली, विद्युत परिपथ और सड़क सुरक्षा के महत्व को समझा। लैब में अन्य बच्चे भी रोबोटिक्स किट की सहायता से विभिन्न मॉडल बनाकर सीख रहे हैं। सटेम लैब में बच्चों को स्टेम फैसिलिटेटर के सहयोग से विज्ञान और गणित की अवधारणाओं को सरल, रोचक और प्रयोगात्मक तरीके से सिखाया जा रहा है। विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों के सहयोग से यह लैब बच्चों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा दे रही है।

डायरिया नियंत्रण व रोकथाम के बारे में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को किया गया प्रशिक्षित

आर्यावर्त संवाददाता

मिर्जापुर। जनपद के राजगढ़ विकास खंड क्षेत्र की करीब 211 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को डायरिया नियंत्रण व रोकथाम में बड़ी भूमिका निभाने के लिए विशेष तौर पर प्रशिक्षित किया गया। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से चार बैच में इन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को डायरिया की शीघ्र पहचान, बचाव के जरूरी कदम आदि के बारे में बड़े ही सरल और रोचक अंदाज में बताया गया। विकास खंड सभागार में प्रशिक्षण के आखिरी सत्र में मंगलवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का स्पष्ट कहना था कि समुदाय में शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने को वह खास तौर पर प्राथमिकता देंगी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल-इंडिया (पीएसआई-इंडिया) और केनव्यू (KENVUE) के सहयोग से "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के तहत किया गया। डायरिया के प्रति अभिमुखीकरण के साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नियमित रूप से सही तरीके से हाथ धोने की महत्ता भी समझाई गयी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ के अधीक्षक डॉ. पवन कुमार कश्यप ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों की कुल मौत का एक प्रमुख कारण डायरिया भी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस पर नियंत्रण के लिए स्टॉप डायरिया कैम्पेन (डायरिया रोको अभियान) अगले महीने से शुरू होगा, जिसे "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम से और बल मिलेगा। "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के बारे में पीएसआई-इंडिया के विष्णु प्रकाश मिश्रा विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में समुदाय को डायरिया से बचाव के लिए जरूरी साफ-सफाई रखने, हाथ धुलने का सही तरीका, स्वच्छ जल, ताजा पौष्टिक भोजन और स्वच्छ वातावरण में ही रहने के बारे में जागरूक बना सकती हैं। डायरिया के प्रमुख लक्षणों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी, ताकि दस्त नियंत्रण कार्यक्रम में उनकी सक्रिय भागीदारी और समझ सुनिश्चित हो सके। डायरिया से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए उठाये जाने वाले क़दमों के बारे में भी बताया गया।

अधीक्षक डॉ. पवन कश्यप ने डायरिया रोकथाम एवं उपचार के बारे में प्रशिक्षण देते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण और वास्तविक समय के केस डिस्कशन के माध्यम से दस्त की रोकथाम, शीघ्र निदान और प्रभावी प्रबंधन में सेवा प्रदाताओं के जरूरी कौशल के बारे में बताया। ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस), जिंक सप्लीमेंट और टीकाकरण को बढ़ावा देने पर जोर दिया साथ ही दस्त प्रबंधन में प्रमुख निवारक उपायों के बारे में बताया। मुख्य सेविका यासमीन बानो ने रेफरल प्रणाली और रिपोर्टिंग के लिए रिकॉर्ड रखने की व्यवस्था को मजबूत बनाने के बारे में बताते हुए कहा कि समुदाय से प्राप्त ऐसे केस को समय रहते उचित सुविधा केंद्र पर रेफर करके रिपोर्ट करें। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की निगरानी करना और उन्नत देखभाल के लिए समय पर रेफरल सुनिश्चित करना स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख दायित्व हैं । प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीएसआई इण्डिया से अर्चना मिश्रा एवं मुख्य सेविका सेजल शुक्ला का विशेष योगदान रहा।

'मेरे पापा दूल्हा बनकर आ रहे हैं...', दूसरी शादी करने चला था, मासूम बेटी ने खोली पोल तो दुल्हन के सामने लगा गिड़गिड़ाने

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से एक बेहद ही फिल्मी घटनाक्रम सामने आया है। यहां दो बच्चों के पिता ने पहली पत्नी को धोखे में रखकर गुपचुप तरीके से दूसरी शादी करने की कोशिश की। मगर दूल्हे की अपनी ही बेटी ने उसकी ये कोशिश नाकाम कर दी। बारात रवाना होने से कुछ समय पहले दूल्हे की मासूम बेटी ने सूझबूझ दिखाते हुए वधू पक्ष को फोन घुमा दिया। फिर रोते हुए अपने पिता की असलियत उजागर कर दी। बच्ची के शब्दों में कहा- जो दूल्हा बनकर आपके यहां आ रहा है, वो मेरे पापा हैं। दो बच्चों के पिता हैं वो।

इस चौंकाने वाले खुलासे के बाद दुल्हन के घर में शादी की खुशियां पल भर में मातम और हंगामे में बदल गईं। वधू पक्ष ने तुरंत शादी की रस्में रोक दीं और पूरा मामला पुलिस के पास पहुंच गया। धोखाधड़ी के इस मामले को बढ़ता देख सामाजिक संभ्रांत लोगों की मौजूदगी में एक आपातकालीन पंचायत बुलाई गई। पंचायत ने आरोपी पिता की इस घोर अनैतिक और सामाजिक रूप से निंदनीय हरकत पर कड़ा रुख अपनाया है।

सूत्रों की मानें तो पंचायत ने दुल्हन पक्ष के मान-सम्मान को ठेस पहुंचाने और शादी की तैयारियों में हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए दूल्हे पर 5।20 लाख रुपये का भारी-भरकम जुर्माना ठोक दिया गया है। जिससे दूसरी शादी के सपने देख रहे शख्स को न सिर्फ सामाजिक बदनामी झेलनी पड़ी बल्कि भारी आर्थिक चपत भी लगी है।

बेटी द्वारा निकाहनामे के पुख्ता सबूतों का खुलासा

ठाकुरद्वारा कोतवाली इलाके के आने वाले एक गांव का है, जहां रामपुर के स्वार इलाके से एक बारात आनी तय हुई थी। वधू पक्ष के घर में विवाह पूर्व की रस्में हर्षोल्लास के साथ पूरी की जा रही थीं कि तभी अचानक दुल्हन के परिजनों के मोबाइल पर स्वार से एक अज्ञात बच्ची का फोन आया था। बच्ची ने रोते- बिलखते हुए बताया कि जिस युवक से वे निकाह करने जा रहे हैं, वह कोई कुंवारा नहीं बल्कि दो बच्चों का पिता है। वह उत्तराखंड के हल्द्वानी में खराद (लेथ) मशीन का काम करता था और वहीं उसने उसकी मां से पहला निकाह कोर्ट मैरिज के जरिए किया था। बच्ची ने सिर्फ दावा ही नहीं किया, बल्कि वाट्सएप पर पहली शादी के कानूनी दस्तावेज और निकाहनामा भी भेजकर अपनी बात को पूरी तरह सच साबित कर दिया है।

पंचायत तक पहुंचा विवाद, अब दूल्हा चुकाएगा भारी जुर्माना

सुबह होते ही वधू पक्ष के लोग सबूतों के साथ ठाकुरद्वारा कोतवाली पहुंचे और पुलिस को लिखित तहरीर देकर इंसाफ की गुहार लगाई गई थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फौरन दूल्हा पक्ष को थाने तलब कर लिया। कानूनी पचड़े और जेल जाने के डर से दोनों पक्षों की सहमति पर नगर पालिका परिसर में एक बड़ी पंचायत बुलाई गई। जब पंचायत के सामने बच्ची द्वारा भेजे गए दस्तावेजी साक्ष्य रखे गए तो दूल्हे की सारी हेकड़ी रफूचक्कर हो गई। वह हाथ जोड़कर रोने लगा। सूत्रों का दावा है कि पंचायत ने लड़की पक्ष के खर्चों और मानसिक उत्पीड़न का आकलन कर पांच लाख रुपये हर्जाना और समाज में नजीर पेश करने के लिए बीस हजार रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया है। दूल्हा पक्ष द्वारा लिखित समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद ही उन्हें वहां से जाने की अनुमति मिली है।

करोड़ो की बेशकीमती सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप, ग्रामीणों का थाना घेराव

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। अखंडनगर क्षेत्र के प्राणनाथपुर बछेड़यिा गांव में पीडब्ल्यूडी और ग्राम सभा की करीब तीन करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी जमीन पर कथित अवैध कब्जे को लेकर मंगलवार को जबरदस्त बवाल खड़ा हो गया। ग्राम प्रधान उदयभान निषाद की अगुवाई में दर्जनों महिला-पुरुष थाना परिसर पहुंच गए और कथित भू-माफिया जमुना वर्मा के खिलाफ धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कूटरचित दस्तावेज तैयार कर सरकारी जमीन को निजी संपत्ति में बदलने की सुनियोजित साजिश रची जा रही है।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना था कि यह कोई अकेला मामला नहीं है, बल्कि सरकारी जमीनों पर कब्जे का एक संगठित

खेल लंबे समय से चल रहा है। गांव वालों ने आरोप लगाया कि कथित भू-माफिया पहले भी आसपास के कई गांवों में रास्तों और सार्वजनिक जमीनों को निशाना बना चुका है। आरोप है कि पहले विवादित या सरकारी भूमि पर कब्जा किया जाता है, फिर गुपचुप तरीके से बाहरी लोगों को बेच दिया जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक, इसी रणनीति के तहत गांव की सार्वजनिक संपत्तियों को धीरे-धीरे समाप्त करने की कोशिश हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि विवादित जमीन पर पहले बोरिंग कराई गई, उसके बाद अस्थायी निर्माण कराया गया और अब पूरे भूभाग पर स्थायी निर्माण एवं चारदीवारी खड़ी करने का कार्य शुरू कर दिया गया। मंगलवार को जैसे ही निर्माण कार्य तेज हुआ, पूरे गांव में आक्रोश फैल गया। महिलाएं भी बड़ी संख्या में विरोध में उतर आईं और सरकारी जमीन बचाने की मांग को लेकर थाना पहुंच गईं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी धीरेंद्र कुमार वर्मा ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। उन्होंने ग्रामीणों से संबंधित अभिलेख, राजस्व रिकॉर्ड, आदेश की प्रतियां और अन्य आवश्यक दस्तावेज तीन दिन के भीतर प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही एहतियातन कब्जे और निर्माण कार्य को तीन दिन तक रोकने का निर्देश दिया गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते प्रशासन ने कठोर कार्रवाई नहीं की तो सरकारी जमीनों पर कब्जे का यह नेटवर्क और तेजी से फैल सकता है। गांव में पूरे घटनाक्रम को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। अब लोगों की निगाहें प्रशासनिक जांच और राजस्व अभिलेखों की पड़ताल पर टिक गई हैं कि आखिर करोड़ों की सार्वजनिक भूमि को निजी कब्जे में बदलने के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और क्या फर्जी दस्तावेजों के सहारे सरकारी जमीनों की खरीद-फरोख्त का कोई बड़ा खेल संचालित किया जा रहा है।

चांदा में चोरों का नाइट पेट्रोलिंग टेस्ट, दो घरों से लाखों के जेवर-नकदी पार

सुलतानपुर। जिले के चांदा कोतवाली क्षेत्र में चोरों ने एक ही रात में दो घरों को निशाना बनाकर पुलिस की गश्त व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। दलपतशाह पट्टी अमरुपुर और धौरहरा गांव में हुई इन घटनाओं में लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चोरी हो गई। पहली घटना दलपतशाह पट्टी अमरुपुर गांव निवासी रामचंद्र यादव के घर हुई। बताया गया कि चोर जीने के सहारे घर में दाखिल हुए, कमरे की कुंडी तोड़ी और अलमारी व बक्सों का ताला तोड़कर सोने का हार, झुमकी, मंगलसूत्र, पायल, करधन समेत लाखों रुपये के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए। परिवार को घटना की जानकारी सुबह हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। दूसरी वारदात बगल के धौरहरा गांव में राम अजोर निषाद के घर हुई। यहां चोर पीछे के रास्ते से घर में घुसे और अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात के साथ 12 हजार रुपये नकद पार कर गए।

पार्क, प्रीमियम लोकेशन और... सहारनपुर में बस रही नई टाउनशिप, बुकिंग से बैंक लोन तक सबकुछ आसान

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में अब अपना घर बनाने का सपना हजारों परिवारों के लिए सच होने जा रहा है। सहारनपुर विकास प्राधिकरण ने मां शाकंभरी देवी आवासीय योजना के तहत शहर की अब तक की सबसे बड़ी हाईटेक टाउनशिप परियोजना शुरू की है। इस महत्वाकांक्षी योजना के जरिए 1460 आवासीय प्लॉट विकसित किए जाएंगे। इसकी बुकिंग प्रक्रिया शुरू होते ही लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक करीब 600 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

खास बात यह है कि योजना को मध्यम वर्गीय परिवारों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें आसान किस्तों और बैंक लोन की सुविधा भी दी जाएगी। यह आधुनिक टाउनशिप चुन्हेटी-टपरी रोड स्थित मिनी बाईपास क्षेत्र में विकसित की जा रही है। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के नजदीक होने की वजह से इस

परियोजना को भविष्य के बड़े रिहायशी और निवेश केंद्र के रूप में देखा जा रहा है।

52।97 हेक्टेयर भूमि पर फैली है यह योजना

52।97 हेक्टेयर भूमि पर फैली यह योजना सहारनपुर के शहरी विकास को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है। शहर के मुख्य हिस्सों से इसकी दूरी करीब 8 से 10 किलोमीटर बताई जा रही है, लेकिन बेहतर सड़क संपर्क और तेजी से विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण आने वाले समय में यह इलाका शहर का प्रमुख आवासीय हब बन सकता है।

योजना के पहले चरण में 513 प्लॉटों का आवंटन किया जाएगा, जबकि पूरी परियोजना में कुल 1460 प्लॉट विकसित किए जाएंगे। अलग-अलग आय वर्ग के लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई श्रेणियों में प्लॉट उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें एलआईजी श्रेणी के 91 प्लॉट, एमएमआईजी के 20, एमआईजी के 110, एमआईजी सुपर के 236, एचआईजी सुपर के 17 और एचआईजी प्रीमियम श्रेणी के 39 प्लॉट शामिल हैं।

LIG श्रेणी 91 प्लॉट
MMIG 20 प्लॉट
MIG 110 प्लॉट
MIG सुपर 236 प्लॉट
HIG सुपर 17 प्लॉट
HIG प्रीमियम 39 प्लॉट

प्लॉटों का आकार भी विभिन्न जरूरतों के अनुसार तय किया गया है। योजना में 112।50 वर्गमीटर, 162 वर्गमीटर, 200 वर्गमीटर और 288 वर्गमीटर तक के प्लॉट उपलब्ध होंगे। प्राधिकरण ने प्लॉट की कीमत लगभग 32 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर निर्धारित की है। इसके अनुसार छोटे प्लॉट की कीमत करीब 36 लाख रुपये से शुरू होगी, जबकि बड़े प्रीमियम प्लॉटों की कीमत लगभग 90 लाख रुपये तक पहुंच सकती है। इसके अलावा रजिस्ट्री और अन्य शुल्क अलग से देने होंगे।

इस योजना की सबसे बड़ी खासियत इसकी आसान भुगतान व्यवस्था मानी जा रही है। आवेदन करने के लिए लोगों को मात्र 1000 रुपये की नॉन-रिफंडेबल रजिस्ट्रेशन फीस जमा करनी होगी। इसके बाद प्लॉटों का आवंटन पूरी तरह ड्रॉ सिस्टम के माध्यम से किया जाएगा।

ड्रॉ में नाम आने के बाद क्या करना होगा?

ड्रॉ में नाम आने के बाद सामान्य श्रेणी के आवंटियों को प्लॉट की कुल कीमत का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा तय समय सीमा के भीतर जमा करना होगा। वहीं आरक्षित श्रेणी के लोगों को करीब 25 प्रतिशत राशि जमा करनी पड़ सकती है। बाकी रकम आसान किस्तों में जमा करने की सुविधा दी जाएगी, जिसके लिए प्राधिकरण अलग से भुगतान शेड्यूल जारी करेगा। लोगों को आर्थिक रूप से राहत देने के लिए इंडियन बैंक के साथ लोन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। आवंटी बैंक के माध्यम से प्लॉट फाइनेंस करा सकेंगे, जिससे उन्हें एकमुश्त बड़ी रकम जुटाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे खास तौर पर मध्यम वर्गीय परिवारों को काफी सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

प्राधिकरण का दावा है कि यह केवल एक सामान्य कॉलोनी नहीं होगी, बल्कि आधुनिक सुविधाओं से लैस स्मार्ट टाउनशिप के रूप में विकसित की जाएगी। यहां चौड़ी सड़कें, भूमिगत बिजली लाइनें, आधुनिक सीवर सिस्टम, नियमित जलापूर्ति, पार्क, ग्रीन बेल्ट और बच्चों के खेलने के लिए विशेष क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही कमर्शियल एरिया भी बनाया जाएगा ताकि लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए दूर न जाना पड़े।

पूरी टाउनशिप की सीसीटीवी से निगरानी

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पूरी टाउनशिप में सीसीटीवी निगरानी और पुलिस चौकी की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। वहीं इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग को ध्यान में रखते हुए ईवी चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे। योजना के तहत 9 मीटर से लेकर 24 मीटर तक चौड़ी सड़कें बनाई जाएंगी। इसके अलावा आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम और इंटरलॉकिंग फुटपाथ भी इस परियोजना का हिस्सा होंगे।

करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही इस परियोजना को लेकर लोगों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। लंबे समय बाद सहारनपुर में इतने बड़े स्तर पर सरकारी आवासीय योजना लाई गई है। यही कारण है कि बुकिंग शुरू होते ही बड़ी संख्या में लोग जानकारी लेने और आवेदन करने के लिए प्राधिकरण कार्यालय पहुंच रहे हैं।

रियल एस्टेट विशेषज्ञों का मानना है कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे और मिनी बाईपास के आसपास तेजी से विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर का सीधा फायदा इस योजना को भविष्य में मिलेगा। आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र सहारनपुर का नया रिहायशी और निवेश केंद्र बन सकता है।

फिलहाल योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है और इच्छुक लोग तय समय सीमा के भीतर आवेदन कर सकते हैं। प्राधिकरण का कहना है कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से ऑनलाइन और ड्रॉ सिस्टम के माध्यम से पूरी की जाएगी ताकि किसी प्रकार की अनियमितता की संभावना न रहे। यदि योजना तय समय पर पूरी होती है और लोगों को वादे के अनुसार सुविधाएं मिलती हैं, तो मां शाकंभरी देवी आवासीय योजना सहारनपुर के रियल एस्टेट सेक्टर में बड़ा बदलाव ला सकती है। आसान किस्तें, बैंक लोन, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी इसे शहर की सबसे चर्चित आवासीय परियोजनाओं में शामिल कर रही हैं।

बच्चों के साथ करना है ट्रैवल...ये चीजें बैग में रखना न भूलें, नहीं तो खराब हो जाएगा ट्रिप का मजा

गर्मियों की छुट्टियों में लोग फैमिली ट्रिप प्लान करते हैं ताकि बच्चे भी थोड़ा फ्री टाइम में घूम लें। आप भी अगर बच्चों के साथ कहीं घूमने जाने की सोच रहे हैं तो पैकिंग करते वक्त सिर्फ कपड़े ही नहीं बल्कि कुछ और चीजें भी पैक करना जरूरी होता है ताकि जरूरत पड़ने पर ये काम आ सकें।

बच्चों के समर वेकेशन शुरू हो चुके हैं तो वही मैदानी इलाकों में गर्मी की वजह से लोग चाहते हैं कि इन दिनों किसी ठंडी जगह की ट्रिप प्लान की जाए। फैमिली के साथ घूमने जाना एक ऐसा टाइम होता है जब आप खूबसूरत यादें बनाते हैं, लेकिन बच्चों के साथ अगर आप ट्रेवल करें तो सावधानी बरतनी बहुत जरूरी होती है। रास्ते के लिए अपने साथ बैग में कुछ चीजें जरूर पैक करनी चाहिए। ये जरूरत पड़ने पर काम आती हैं, नहीं तो कई बार इस वजह से आपकी ट्रिप कम मजा किरकिरा हो सकता है।

घूमने जाने के दौरान बैग में सिर्फ फोटोजेनिक बनने के लिए खूबसूरत कपड़े ही पैक नहीं करने चाहिए। इसके अलावा भी कई जरूरी चीजें होती हैं जो रास्ते में और ट्रिप के दौरान आपके काम आती हैं। खासकर जब बच्चे साथ हो तो पैकिंग बहुत ध्यान से करने की जरूरत होती है। तो चलिए जान लेते हैं कि कौन-कौन सी चीजें बैग में जरूर पैक करें।

सबसे जरूरी चीज फर्स्ट एड बॉक्स

ट्रिप के लिए बैग पैक करने के दौरान सबसे जरूरी चीज है अपने साथ आप फर्स्ट एड बॉक्स जरूर पैक करें। इसमें पेनकिलर, बुखार, जुकाम, खांसी, उल्टी, लूज मोशन की दवाएं। एंटीसेप्टिक लोशन, दर्द निवारक बाम, एनर्जी ड्रिंक का मेडिकेटेड पाउडर, बैंड-एड और डॉक्टर का प्रिसक्रिप्शन साथ में जरूर रखें। ट्रैवल के दौरान अक्सर इससे जुड़ी समस्याएं होती रहती हैं जैसे मितली, उल्टी, बॉडी पेन और सिरदर्द। ऐसे में ट्रैवल के दौरान डॉक्टर के पास बार-बार नहीं जाना पड़ेगा।

कुछ छोटे खिलौने जरूर रखें साथ

बच्चे कई बार ट्रेवल के दौरान बहुत बोर हो जाते हैं और इस वजह से परेशान करने लगते हैं। इससे बचने के लिए आप बैग में कुछ छोटे खिलौने जैसे मैग्नेटिक पजल,इरेजेबल डूडल बोर्ड (Erasable Doodle Board), फिजेट टॉयज (Fidget Toys) बढ़िया ऑप्शन रहते हैं। इससे आपके बच्चे सफर के दौरान भी बिजी रहेंगे।

क्लीनिंग की चीजें रखें साथ

बच्चों के साथ में अगर आप ट्रैवल कर रहे हैं तो क्लीनिंग की चीजें जरूर साथ रखें। जैसे वेट वाइप्स, हैंड सैनिटाइजर, टिश्यू पेपर का पैकेट, बिब और एक्स्ट्रा हैंकी। इससे खाना, स्नैक्स खाने के दौरान बच्चे बहुत ज्यादा फैलाते नहीं हैं। इसके अलावा जिप-लॉक बैग जरूर साथ में रखने चाहिए। दरअसल ये बैग गंदे-गीले कपड़े, बचा हुआ कचरा रखने के काफी काम आते हैं।

खाने के लिए रखें ये चीजें

बच्चों को सफर में हर थोड़ी देर पर खाने के लिए कुछ न कुछ चाहिए होता है। ऐसे में मार्केट की चीजों की जगह आप घर से ही कुछ हेल्दी स्नैक्स बनाकर पैक करके लेकर जाएं। आप क्रंची नट्स, सीड्स, ड्राई फ्रूट्स जैसी चीजें जरूर साथ में पैक करें ताकि एनर्जी बनी रहे। इससे बच्चों के पेट में भारीपन भी नहीं होता है। अगर बच्चा छोटा है तो दूध की साफ बोतलें एक्स्ट्रा में रखें। उनका फार्मूला मिल्क रखना न भूलें साथ ही ऐसा थर्मस होना चाहिए जिसमें पानी गर्म या ठंडा रहे।

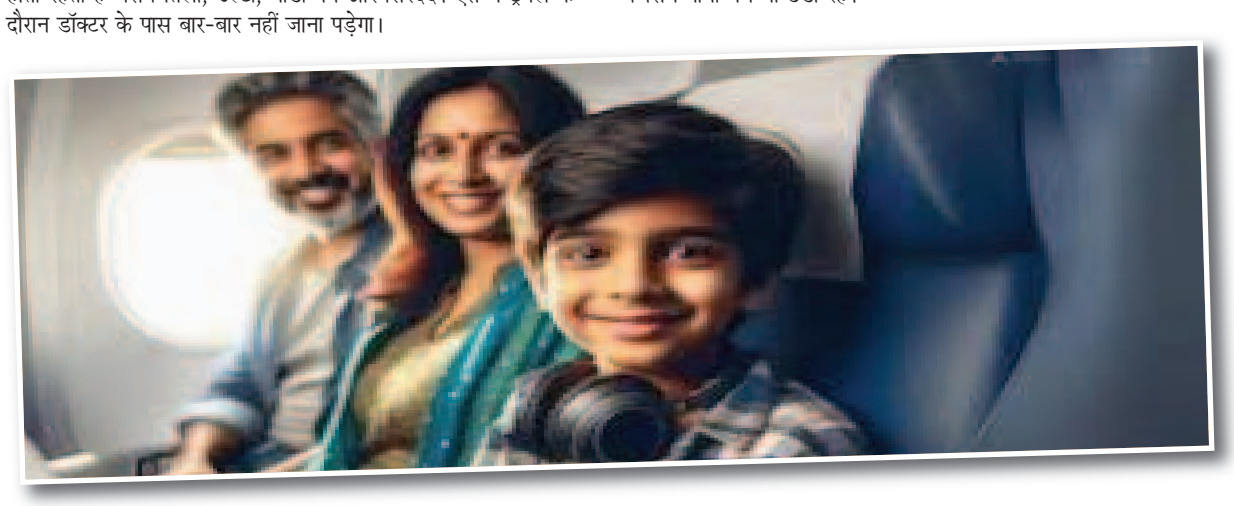

कहीं आपकी रोजाना की ये 5 आदतें आपको तनावग्रस्त तो नहीं बना रहीं?

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव एक आम समस्या बन गई है। हम अक्सर सोचते हैं कि हमारी दिनचर्या सामान्य है, लेकिन कई बार छोटी-छोटी आदतें भी हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा असर डाल सकती हैं। इस लेख में हम कुछ ऐसी ही आदतों पर चर्चा करेंगे, जो बिना जाने हमारी मानसिक शांति को प्रभावित कर सकती हैं। इन आदतों को पहचानकर और सुधारकर हम अपने जीवन को अधिक सुखद बना सकते हैं।

मोबाइल का अधिक उपयोग

मोबाइल का अधिक उपयोग हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकता है। जब हम लगातार अपने फोन पर नजरें गड़ाए रखते हैं तो इससे हमारी आंखों पर दबाव पड़ता है और नींद भी प्रभावित होती है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट देखने से भी तनाव बढ़ सकता है। इससे बचने के लिए कोशिश करें कि सोने से एक घंटा पहले और उठते ही एक घंटा मोबाइल का उपयोग न करें।

समय की कमी

समय की कमी भी हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। अगर हम अपने कामों को समय पर पूरा नहीं कर पाते तो इससे तनाव बढ़ता है। इसके अलावा समय पर आराम न करने से भी मानसिक थकान होती है। इससे बचने के लिए अपने दिनचर्या में समय प्रबंधन शामिल करें। कामों को प्राथमिकता दें और ब्रेक लें, ताकि आप तरोताजा महसूस करें और बेहतर तरीके से काम कर सकें।

चाय या कॉफी का ज्यादा सेवन

चाय या कॉफी का ज्यादा सेवन करने से हमारी नींद प्रभावित होती है और लोग रात को ठीक से सो नहीं पाते। कैफीन युक्त चीजों का ज्यादा सेवन करने से हमारा शरीर तनावग्रस्त रहता है। इससे बचने के लिए कोशिश करें कि दिनभर में एक-2 कप ही चाय या कॉफी का सेवन करें। अगर आप कैफीन युक्त चीजों का सेवन कम करेंगे तो इससे आपकी नींद बेहतर होगी और आप अधिक तरोताजा महसूस करेंगे।

सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताना

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम आदि पर ज्यादा समय बिताने से हम दूसरों की जिंदगी से अपनी तुलना करने लगते हैं, जिससे आत्मविश्वास कम होता जाता है। इससे बचने के लिए अपने सोशल मीडिया के उपयोग समय को सीमित करें और असली दुनिया के साथ अधिक समय बिताने की कोशिश करें। इसके अलावा अपनी सोशल मीडिया फीड को सकारात्मक और प्रेरणादायक चीजों से भरें, ताकि आपका मनोबल बढ़े और आप मानसिक रूप से स्वस्थ रहें।

एक साथ कई काम करना

एक साथ कई काम करना भले ही आपको प्रभावी लगे, लेकिन यह आपके दिमाग पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिससे आप जल्दी थक जाते हैं। इससे बचने के लिए एक समय पर एक ही काम करें और उसे पूरा करने के बाद ही अगले काम पर जाएं। इससे आपका ध्यान केंद्रित रहेगा।

कई दिनों तक ताजा बना रह सकता है धनिया और पुदीना, ऐसे करें स्टोर

धनिया और पुदीना भारतीय रसोई का अहम हिस्सा हैं। ये न केवल खाने का स्वाद बढ़ाते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं। हालांकि, अक्सर लोग इन्हें खरीदकर घर तो ले आते हैं, लेकिन कुछ ही दिनों में ये खराब हो जाते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप धनिये और पुदीने को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं।

पानी में रखें धनिया और पुदीना

धनिया और पुदीने को लंबे समय तक ताजा रखने का सबसे सरल तरीका इन्हें पानी में रखना है। एक गिलास या कटोरी में थोड़ा पानी भरें और उसमें धनिये या पुदीने की जड़ डालें। इससे ये हरे-भरे बने रहते हैं और जल्दी खराब नहीं होते। ध्यान रखें कि पत्तियां पानी में डूबी न हों, वरना सड़ सकती हैं। इस तरीके से आप इन्हें 1-2 हफ्ते तक ताजा रख सकते हैं।

ठंडे स्थान पर रखें

अगर आप धनिये और पुदीने की पत्तियों को लंबे समय तक स्टोर करना चाहते हैं, तो इन्हें ठंडे स्थान पर रखें। सबसे पहले पत्तियों को धोकर साफ कर लें, फिर एक प्लास्टिक बैग या ढक्कन वाले डब्बे में रखें। ध्यान दें कि डब्बे में हवा न हो ताकि नमी बनी रहे। इस तरीके से आप इन्हें 2-3 हफ्ते तक ताजा रख सकते हैं। जब भी इनका इस्तेमाल करें तो इन्हें थोड़े से पानी में रखें ताकि ये हरे-भरे बने रहें।

सूखे कपड़े में लपेटें

धनिया और पुदीने की पत्तियों को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए उन्हें सूखे कपड़े में लपेटकर रखें। इसके लिए सबसे पहले पत्तियों को धोकर साफ कर लें, फिर एक सूखे कपड़े पर रखकर हल्का दबाएं ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए। अब दूसरी तरफ से भी इसी तरह करें। इसके बाद पत्तियों को किसी ढक्कन वाले डब्बे में रखें या किसी सूखे स्थान पर लटका दें। इस तरीके से आप इन्हें 1-2 हफ्ते तक ताजा रख सकते हैं।

बर्फीले स्थान में करें स्टोर

अगर आप धनिये और पुदीने को लंबे समय तक स्टोर करना चाहते हैं, तो इन्हें बर्फीले स्थान में रख सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले पत्तियों को धोकर साफ कर लें, फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें और एक ढक्कन वाले डब्बे या प्लास्टिक बैग में रख दें। अब इस डब्बे या बैग को बर्फीले स्थान में रख दें। जब भी इनका इस्तेमाल करें तो थोड़ी मात्रा निकालकर इस्तेमाल करें ताकि बाकी पत्तियां ताजा बनी रहें।

सूखे स्थान पर रखें

धनिया और पुदीने की पत्तियों को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए उन्हें किसी सूखे स्थान पर रखें। इसके लिए सबसे पहले पत्तियों को धोकर साफ कर लें, फिर एक सूखे स्थान पर रखें जैसे कि किसी टोकरी या प्लेट पर रखें। ध्यान दें कि पत्तियों पर पानी न हो क्योंकि इससे वे सड़ सकती हैं। इस तरीके से आप इन्हें 1-2 हफ्ते तक ताजा रख सकते हैं।

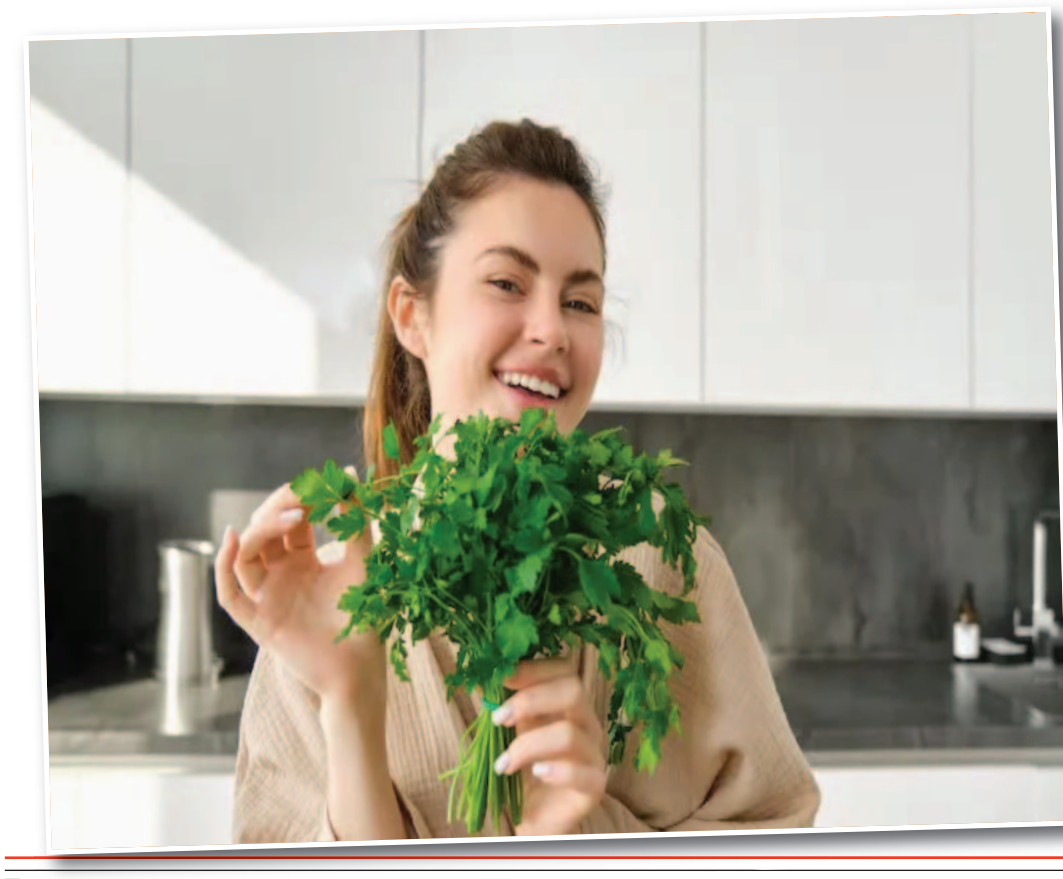

वर्क फ्रॉम होम से बदल रही है जीवनशैली

कोरोना महामारी के बाद घर से काम करने का चलन बढ़ गया है। यह न केवल काम करने का तरीका बदल रहा है, बल्कि हमारी जीवनशैली पर भी गहरा असर डाल रहा है। इस लेख में हम जानेंगे कि घर से काम करने से हमारी दिनचर्या, स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति पर क्या-क्या प्रभाव पड़ रहा है। इसके साथ ही यह भी समझेंगे कि कैसे हम इस नए माहौल में संतुलित रह सकते हैं और जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

घर और ऑफिस का अंतर मिट रहा है

घर से काम करने के कारण घर और ऑफिस का अंतर धीरे-धीरे मिटता जा रहा है। इससे काम का तनाव भी घर तक पहुंच रहा है। इसके चलते लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए नियमित ब्रेक लेना, काम के घंटे तय करना और काम के समय और निजी समय के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। इसके अलावा काम के दौरान कुछ मिनट योग या ध्यान करना लाभदायक हो सकता है।

समय प्रबंधन हो रहा है अहम

घर से काम करने में समय का सही प्रबंधन बहुत जरूरी हो गया है। बिना सही प्रबंधन के काम और निजी जीवन में असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। इसके लिए एक दिनचर्या बनाना और उसे पालन करना जरूरी है। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक का एक शेड्यूल बनाएं और उसे फॉलो करें। इसके अलावा काम के बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें ताकि आपका मन ताजा बना रहे और आप ज्यादा उत्पादक रह सकें।

शारीरिक गतिविधियों की कमी

घर पर काम करते समय शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं, जिससे वजन बढ़ने, पीठ दर्द और अन्य शारीरिक समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इससे बचने के लिए रोजाना कुछ मिनट व्यायाम करना जरूरी है। आप योग, स्ट्रेचिंग या हल्की-फुल्की कसरत कर सकते हैं। इसके अलावा दिन में कम से कम 10-15 मिनट टहलना भी फायदेमंद हो सकता है। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और आप तंदुरुस्त महसूस करेंगे।

सामाजिक संपर्क घट रहा है

घर से काम करने के कारण सामाजिक संपर्क भी कम हो रहा है। ऑफिस में मिलने वाले सहकर्मियों से अब सिर्फ ऑनलाइन मीटिंग्स ही हो पा रही हैं। इससे अकेलापन महसूस हो सकता है। इससे बचने के लिए ऑनलाइन मीटिंग्स के अलावा फोन या वीडियो कॉल्स का सहारा लें। इसके अलावा सप्ताह में एक बार दोस्तों या परिवार वालों के साथ बाहर जाने की योजना बनाएं ताकि आप सामाजिक रूप से जुड़े रहें और अकेलापन महसूस न हो।

मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है असर

घर से काम करने का कई लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। लगातार काम करने की वजह से तनाव, चिंता जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। इससे निपटने के लिए नियमित रूप से ध्यान करें और सकारात्मक सोच रखें। इसके अलावा अपने शौक पूरे करें जैसे किताबें पढ़ना, संगीत सुनना या पेंटिंग करना। इन तरीकों से आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और आप तनावमुक्त रहेंगे।

इस बार कम बारिश बिगाड़ेगी आपके घर का बजट, महंगी हो सकती है दाल-रोटी!

इस साल मानसून कमजोर रहने और 'अल नीनो' के खतरे ने महंगाई बढ़ने की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग के ताजा अनुमान के बाद आशंका है कि आने वाले महीनों में दाल-रोटी और सब्जियों की कीमतें आपकी जेब का बजट बिगाड़ सकती हैं। हालांकि, सरकार के पास अनाज का पर्याप्त स्टॉक है, जिससे थोड़ी राहत की उम्मीद है।

भारत में बारिश सिर्फ एक मौसम का बदलाव नहीं है, बल्कि यह पूरी अर्थव्यवस्था को चलाने वाला एक बड़ा स्विच है। अगर आने वाले दिनों में आपके घर की सब्जियों का बिल अचानक बढ़ जाता है, तो इसके पीछे बादलों की चाल जिम्मेदार हो सकती है। हमारी अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा आज भी खेती पर निर्भर है। अच्छी बारिश का मतलब है भरपूर फसल, ग्रामीण इलाकों में बेहतर आमदनी और खाने-पीने की चीजों के स्थिर दाम। लेकिन, अगर मानसून कमजोर पड़ता है, तो इसका सीधा असर महंगी सब्जियों, दालों और खाद्य तेल के रूप में हमारी थाली पर दिखने लगता है।

फिलहाल महंगाई दर में कोई बहुत बड़ा उछाल नहीं आया है, लेकिन यह धीरे-धीरे ऊपर की तरफ खिसक रही है। मार्च 2026 में खुदरा महंगाई (CPI) बढ़कर 3.4% हो गई है, जो फरवरी में 3.21% थी। नए 2024 बेस ईयर के हिसाब से यह लगातार तीसरे महीने की बढ़ोतरी है। ऐसे में अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि इस साल महंगाई का कुल ग्राफ ऊपर जा सकता है, और इस दबाव की शुरुआत मौसम से ही हो रही है।

इस चिंता के पीछे सबसे बड़ी वजह मौसम विभाग (IMD) का ताजा अनुमान है। IMD ने 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून को 'सामान्य से नीचे' (लॉन्ग पीरियड एवरेज का 92%) रहने की आशंका जताई है। इसके साथ ही 'अल नीनो' का खतरा भी बातचीत के केंद्र में आ गया है। यह एक ऐसा मौसमी बदलाव है, जो प्रशांत महासागर के असामान्य रूप से गर्म होने से पैदा होता है और इसके कारण एशिया के बड़े हिस्सों में सूखा और भीषण गर्मी देखने को मिलती है।

आंकड़े बताते हैं कि 1980 के बाद से 70% 'अल नीनो' वाले वर्षों में भारत में सामान्य से कम बारिश हुई है। वैश्विक एजेंसियों का भी मानना है कि मई-जून तक अल नीनो का असर दिखने लगेगा और साल के अंत तक यह काफी मजबूत हो सकता है। रेटिंग एजेंसी इक्रा (ICRA) के मुताबिक, यह पिछले 25 सालों के सबसे कमजोर शुरुआती अनुमानों में से एक है। एजेंसी का अनुमान है कि अगर बारिश कम होती है, तो वित्त वर्ष 2027 में खुदरा महंगाई 4.5% के पार जा सकती है और कृषि विकास दर 3% के बेसलाइन से नीचे खिसक सकती है।

जेब पर पड़ेगा भारी दबाव?

कमजोर बारिश का सीधा मतलब है बुवाई और पैदावार में कमी। इससे खाने-पीने की चीजों की सप्लाई चेन प्रभावित होती है और रिटेल महंगाई बढ़ जाती है। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार का मानना है कि वैश्विक तनाव के कारण ऊर्जा की कीमतें पहले से ही ज्यादा हैं। अब अल नीनो के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों पर फिर से दबाव बन सकता है, जो अभी हाल ही में स्थिर होना शुरू हुए थे।

रिजर्व बैंक ने भी वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने अनुमानों में इसका अंदेशा जताया है। RBI के मुताबिक पूरे साल की महंगाई दर 4.6% रह सकती है, लेकिन तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में यह उछलकर 5.2% तक जा सकती है। यही वह समय होता है जब मानसून का असर फसलों पर दिखता है और साथ ही त्योहारी सीजन के कारण बाजार में मांग भी चरम पर होती है।

क्या आपको घबराने की जरूरत है?

हालांकि, हर तस्वीर के दो पहलू होते हैं। एसबीआई रिसर्च (SBI Research) ने इस बात पर जोर दिया है कि कम बारिश और महंगाई के बीच हमेशा सीधा संबंध नहीं होता। इतिहास गवाह है कि कई बार सामान्य बारिश के बावजूद महंगाई बढ़ी है (जैसे 2009 में 8.43% और 2011 में 15.12% फूड इन्फ्लेशन), और कई बार कमजोर मानसून (जैसे 2013 और 2019) में भी खाद्य महंगाई दर काफी नीचे रही है।

सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि देश में अनाज का पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है। अकेले चावल का ही 380 लाख मीट्रिक टन (LMT) का भंडार है, जो खरीफ की फसल में किसी भी कमी की भरपाई करने के लिए काफी है। इसके अलावा, पूरे देश की कुल बारिश से ज्यादा यह मायने रखता है कि किन इलाकों में कितनी बारिश हुई। अगर प्रमुख खेती वाले राज्यों में बारिश सामान्य रहती है, तो महंगाई का असर सीमित रहेगा। इन सब चुनौतियों के बावजूद, घरेलू खपत और निवेश के दम पर भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.8% से 7.1% के बीच रहने की उम्मीद है।

कमाई का बंपर मौका! बैंक ऑफ इंडिया ने एफडी रेट्स में किया इजाफा

भले ही ज्यादातर बैंकों ने फरवरी 2025 से रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI) द्वारा रेपो रेट में कुल 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती के बाद फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) की दरों में लगातार कमी की है, लेकिन बैंक ऑफ इंडिया ने इसके विपरीत कदम उठाया है और कुछ चुनिंदा मध्यम और लंबी अवधि के डिपॉजिट पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इस सरकारी बैंक ने 18 मई से 1 साल से लेकर 3 साल तक की अवधि के लिए 3 करोड़ रुपए से कम के डिपॉजिट पर एफडी की दरें बढ़ाई हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब कई सरकारी और प्राइवेट बैंकों ने RBI के रेट में नरमी के दौर के बाद अपने मार्जिन को बचाने के लिए डिपॉजिट की दरों में कटौती की है, जिससे रेपो रेट घटकर 5.125 फीसदी पर आ गया है।

बैंक ऑफ इंडिया की रिवाइज्ड एफडी रेट

अवधि	सामान्य ग्राहक	सीनियर सिटीजन	सुपर सीनियर सिटीजन
1 साल से 2 साल से कम	6.50%	7.00%	7.15%
2 साल से 3 साल से कम	6.60%	7.10%	7.25%
3 साल	6.70%	7.45%	7.60%

(सोर्सः बैंक ऑफ इंडिया)

बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि सीनियर सिटीजंस को 6 महीने से लेकर 3 साल से कम की अवधि के डिपॉजिट पर अतिरिक्त 50 बेसिस पॉइंट्स मिलेंगे, जबकि सुपर सीनियर सिटीजंस को 65 बेसिस प्वाइंट्स अतिरिक्त मिलेंगे। 3 साल और उससे अधिक की अवधि के डिपॉजिट के लिए, यह अतिरिक्त लाभ सीनियर सिटीजंस के लिए बढ़कर 75 बेसिस प्वाइंट्स और सुपर सीनियर सिटीजंस के लिए 90 बेसिस प्वाइंट्स हो जाता है।

आरबीआई की रेपो रेट को फॉलो कर रहे बैंक

आरबीआई द्वारा फरवरी 2025 में दरों में कटौती शुरू करने के बाद से फिक्स्ड डिपॉजिट मार्केट दबाव में है। कई प्राइवेट लेंडर्स और कुछ सरकारी सेक्टर के बैंकों ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले रिटर्न को कम कर दिया है, विशेष रूप से 1-3 वर्ष की अवधि में, क्योंकि कम नीतिगत दरों का प्रभाव धीरे-धीरे जमा उत्पादों पर भी पड़ने लगा है। इस ट्रेंड के बावजूद, एफडी ट्रेडिशनल निवेशकों के लिए एक लोकप्रिय विकल्प बनी हुई है क्योंकि यह पूंजी संरक्षण, अनुमानित रिटर्न और लचीले कार्यकाल विकल्प प्रदान करती है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि केवल दरों के आधार पर निवेश निर्णय नहीं लेना चाहिए।

एफडी निवेशकों को यह जांचना चाहिए कि क्या दर केवल स्पेसिफिक अवधियों के लिए उपलब्ध है, कॉलेबल और नॉन-कॉलेबल डिपॉजिट की तुलना करनी चाहिए, समय से पहले विड्रॉल पर लगने वाले जुर्माने को समझना चाहिए और टैक्स के बाद रिटर्न का वैल्यूएशन करना चाहिए। सीनियर सिटीजंस को स्पेशल कैटेगिरी के लाभों की भी तुलना करनी चाहिए, क्योंकि दर का अंतर महत्वपूर्ण हो सकता है। बैंक ऑफ इंडिया एक करोड़ रुपए से अधिक की नॉन-कॉलेबल डिपॉजिट पर न्यूनतम एक वर्ष की अवधि के लिए 15 आधार अंक का अतिरिक्त रिटर्न भी दे रहा है।

48 घंटों में दूसरी बढ़ोतरी : वैश्विक तेल संकट के बीच दिल्ली में सीएनजी फिर से हुई महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सीएनजी फिर से महंगी हो गई है। रविवार को इसकी कीमतों में 1 प्रति रुपए किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई। सिर्फ दो दिनों में यह दूसरी बार बढ़ोतरी हुई है, जिससे दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में यात्रियों पर ईंधन की लागत का बोझ और बढ़ गया है।

दिल्ली में सीएनजी की कीमत एक रुपए बढ़ने के बाद रविवार को 80.09 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। यह पहली बार है कि दिल्ली में सीएनजी के दाम 80 रुपए के आंकड़े को पार कर गए हैं। इस बढ़ोतरी के बाद नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत अब 88.70 रुपए प्रति किलोग्राम होगी।

इससे पहले शुक्रवार को सीएनजी की कीमतों में 2 रुपए प्रति किलोग्राम का इजाफा किया गया। उस समय दिल्ली में सीएनजी की दर बढ़कर 79.09 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई थी।

शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 3 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में लगभग 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी भी हुई थी। इस बदलाव के बाद दिल्ली में पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.67 रुपए प्रति लीटर की दर से बिक रहा है।

ईंधन की कीमतों में यह उछाल पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा व्यापार मार्गों में से एक होर्मुज स्ट्रेट की लगातार नाकेबंदी के बीच आया है। वैश्विक तेल और गैस व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है और आपूर्ति में रुकावटों के कारण अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं।

ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर हो रही आलोचना का जवाब देते हुए बीते दिनों केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के बावजूद भारत पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को सीमित रखने में सफल रहा है।

उन्होंने बताया कि कई देशों में ईंधन की कीमतों में 20 प्रतिशत से लेकर लगभग 100 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी गई, जबकि भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में क्रमशः केवल 3.2 प्रतिशत और 3.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। रिजिजू ने कहा कि वैश्विक बाजार अस्थिर हैं, फिर भी भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को मुद्रास्फीति के बड़े प्रभाव से बचाने के लिए हफ्तों तक भारी नुकसान उठाया।

भारत में प्रेस की आजादी पर सवाल, विदेश मंत्रालय का तगड़ा जवाब- समझ ही नहीं, एक दो रिपोर्ट पढ़ी और पूछ लिया प्रश्न

वॉशिंगटन, एजेंसी। विदेश मंत्रालय (MEA) ने सोमवार को भारत में प्रेस की आजादी और मानवाधिकारों को लेकर उठाए गए सवालों पर कड़ा जवाब दिया। इस दौरान मंत्रालय ने नार्वे के मीडिया और कुछ गैर-सरकारी संगठनों (NGO) की रिपोर्टों पर निशाना साधते हुए कहा कि कई लोग अज्ञानी गैर सरकारी संगठनों द्वारा प्रकाशित रिपोर्टों को पढ़कर भारत को गलत समझते हैं।

नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में MEA के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एक पत्रकार के साथ तीखी बहस की और भारत के मीडिया तंत्र की व्यापक पहुंच पर जोर दिया। उन्होंने साफ कहा कि भारत के मीडिया तंत्र की विशालता को दुनिया ठीक से नहीं समझती।

'लोगों को बिल्कुल भी समझ नहीं है'

सिबी जॉर्ज ने कहा 'लोगों को बिल्कुल भी समझ नहीं है। वो कुछ अज्ञानी, नासमझ गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्रकाशित एक-दो समाचार रिपोर्ट पढ़ते हैं और फिर आकर सवाल पूछते हैं'। उन्होंने कहा कि लोग भारत के पैमाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझे बिना सवाल पूछते हैं। वो कुछ अनजान और अज्ञानता से भरी NGO रिपोर्ट पढ़ लेते हैं और फिर भारत पर टिप्पणी करने लगते हैं।

'भारत समानता और मानवाधिकारों में विश्वास रखता है'

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत का संविधान सभी नागरिकों को मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है और अधिकारों के उल्लंघन के मामलों में कानूनी उपाय प्रदान करता है। भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि देश ने स्वतंत्रता के समय से ही महिलाओं के लिए समान मतदान अधिकार सुनिश्चित किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत समानता और मानवाधिकारों में विश्वास रखता है। साथ ही यह भी कहा कि मतदान करने और सरकार बदलने का अधिकार लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का सबसे मजबूत उदाहरण है।

महिलाओं के अधिकारों का भी किया जिक्र

विदेश मंत्रालय के सचिव ने कहा 'हमारे पास एक संविधान है जो जनता के अधिकारों, मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है। हमारे देश की महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त हैं, जो बहुत महत्वपूर्ण है। 1947 में हमने अपनी महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिया। हमने मिलकर यह स्वतंत्रता हासिल की और उन्होंने स्वयं इसे प्राप्त किया। मैं जिन कई देशों को जानता हूं, वहां भारत द्वारा यह स्वतंत्रता दिए जाने के कई दशकों बाद महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला। आप जानते हैं, ऐसा इसलिए है क्योंकि हम समानता में विश्वास करते हैं, हम मानवाधिकारों में विश्वास करते हैं और मानवाधिकारों का सबसे अच्छा उदाहरण क्या है? सरकार बदलने का अधिकार, वोट देने का अधिकार और यही भारत में हो रहा है। हमें इस पर बहुत गर्व है'।

'भारत में मीडिया स्वतंत्र रूप से काम करता है'

सिबी जॉर्ज ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां मीडिया स्वतंत्र रूप से काम करता है और जनता को अपनी बात रखने की पूरी आजादी है। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान देश की सबसे बड़ी ताकत हैं, जिन्हें लेकर सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारत के इस पड़ोसी देश में 47 लाख लोग भुखमरी का शिकार, बच्चे बेचने को हुए मजबूर

काबुल। अफगानिस्तान में गरीबी और भूख का संकट बहुत खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। हालात इतने खराब हैं कि कई परिवार अपने बच्चों को बेचने के लिए मजबूर हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक देश में करीब 47 लाख लोग भुखमरी के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। यह अफगानिस्तान की कुल आबादी का 10% से ज्यादा हिस्सा है।

घोर प्रांत में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। यहां हर सुबह सैकड़ों लोग काम की तलाश में सड़क किनारे खड़े रहते हैं। लेकिन ज्यादातर लोगों को काम नहीं मिलता। BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, 45 साल के जुमा खान ने बताया कि पिछले डेढ़ महीने में उन्हें सिर्फ 3 दिन काम मिला। उन्होंने कहा कि उनके बच्चे लगातार तीन रात भूखे सोए। मजबूरी में उन्हें पड़ोसी से पैसे मांगकर आटा खरीदना पड़ा। एक मजदूर रबानी ने कहा कि जब उन्हें पता चला कि उनके बच्चे दो दिन से भूखे हैं, तो उन्हें लगा कि अब जीने का कोई मतलब नहीं है। वहीं बुजुर्ग ख्वाजा अहमद रोते हुए कहते हैं कि उम्र ज्यादा होने की वजह से अब कोई उन्हें काम नहीं देता और उनका परिवार भूखा है। जब स्थानीय बेकरी में बासी रोटी बांटी जाती है, तो लोग उसे लेने के लिए टूट पड़ते हैं। एक मजदूर को काम देने के लिए आए व्यक्ति के पीछे दर्जनों लोग भागने लगे। गांवों में हालात और भी दर्दनाक हैं। अब्दुल राशिद अजीमी ने कहा कि वह अपनी 7 साल की जुड़वां बेटियों को बेचने के लिए तैयार हैं। उन्होंने रोते हुए कहा कि उनके पास बच्चों को खिलाने के लिए खाना नहीं है। उनकी पत्नी ने बताया कि परिवार कई बार सिर्फ रोटी और गर्म पानी पीकर गुजारा करता है।

सामने आया पुतिन के चीन दौरे का मकसद, इस प्रोजेक्ट को जिनपिंग से कराएंगे फाइनल

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन मंगलवार शाम दो दिन के दौरे पर चीन पहुंचेंगे। यह 2026 में उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। चीन के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यह पुतिन की 25वीं चीन यात्रा है। यह दौरा रूस और चीन के बीच दोस्ती समझौते के 25 साल पूरे होने के मौके पर भी हो रहा है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर हो रहे इस दौरे में दोनों देश व्यापार, ऊर्जा, गैस सप्लाई, यूक्रेन युद्ध और वैश्विक राजनीति पर चर्चा करेंगे।

इस दौरे का सबसे बड़ा मुद्दा पावर ऑफ साइबेरिया-2 गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट माना जा रहा है। रूस चाहता है कि चीन इस प्रोजेक्ट को जल्द मंजूरी दे और इसे आगे बढ़ाए। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यूरोपीय देशों ने रूस से गैस खरीद काफी कम कर दी है। इससे रूस की कमाई पर बड़ा असर पड़ा है। अब रूस अपनी गैस चीन को बेचकर इस नुकसान की भरपाई करना चाहता है। होर्मुज संकट के बीच यह डील काफी अहम मानी जा रही है। यह पाइपलाइन रूस के यामल प्रायद्वीप से मंगोलिया के रास्ते चीन तक जाएगी। इसकी कुल लंबाई करीब 2600 किलोमीटर होगी। इस पाइपलाइन के जरिए हर साल 50 अरब घन मीटर अतिरिक्त गैस चीन भेजी जा सकेगी। अगर यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाता है, तो चीन की कुल गैस सप्लाई में रूस की हिस्सेदारी लगभग 10% से बढ़कर 20% तक पहुंच सकती है।

रूस की सरकारी गैस कंपनी गजप्रोम ने चीन को गैस की कीमतों पर काफी सस्ता और लुभावना ऑफर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस चाहता है कि सितंबर तक गैस की कीमत और समझौते पर अंतिम फैसला हो जाए। हालांकि अभी तक चीन ने इस प्रोजेक्ट पर पूरी तरह सहमति नहीं दी है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, रूस, चीन को यूरोपीय खरीदारों से एक तिहाई कम कीमत गैस बेच सकता है।

डील जल्द फाइनल होने की संभावना

ईरान युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट संकट के बाद रूस को उम्मीद है कि चीन इस पाइपलाइन को लेकर जल्दी फैसला कर सकता है। रूस का कहना है कि समुद्री रास्तों पर निर्भर रहने के बजाय जमीन के रास्ते आने वाली गैस ज्यादा सुरक्षित होगी। होर्मुज स्ट्रेट में तनाव बढ़ने से चीन की LNG सप्लाई पर भी खतरा बढ़ा है। 2025 में चीन के करीब 30% LNG इंपोर्ट मिडिल ईस्ट से हुए थे। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लारोव ने हाल ही में कहा था कि रूस और चीन मिलकर पश्चिमी देशों के दबाव और वैश्विक ऊर्जा संकट का सामना कर सकते हैं। रूस इस प्रोजेक्ट को अमेरिका और यूरोपीय देशों के दबाव से बचने का बड़ा रास्ता मान रहा है।

मेरी चुप्पी को कमजोरी मत समझना, बहुत जल्द बांग्लादेश लौटूंगी...: शेख हसीना

ढाका, एजेंसी। शेख हसीना ने कहा है कि वह बहुत जल्द बांग्लादेश लौटेंगी। भारत में रह रही शेख हसीना ने एक ई-मेल इंटरव्यू में कहा कि उनकी गैरमौजूदगी का मतलब यह नहीं है कि वह चुप हैं। उन्होंने कहा कि वह हर समय देश के लिए लड़ रही हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय हैं। शेख हसीना 2024 में छात्र आंदोलन के बाद सत्ता से हटने के बाद भारत में रह रही हैं। उनकी पार्टी अवामी लीग पर बांग्लादेश में प्रतिबंध लगा हुआ है। इसके अलावा इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने उन्हें मौत की सजा भी सुनाई है। हसीना ने कहा कि उनकी वापसी किसी तय तारीख पर निर्भर नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले बांग्लादेश में लोकतांत्रिक माहौल, अभिव्यक्ति की आजादी, राजनीतिक अधिकार और कानून का

शासन वापस आना जरूरी है। उनका कहना है कि यह सिर्फ उनकी वापसी के लिए नहीं, बल्कि देश की आजादी और जनता के हित के लिए भी जरूरी है। हसीना ने कहा कि उन पर 19 बार जानलेवा हमले हो चुके हैं, लेकिन वह कभी नहीं रुकीं। अवामी लीग पर लगे बैन को लेकर उन्होंने कहा कि यह जनता की पार्टी है और इसे किसी कागजी आदेश से खत्म नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर अवामी लीग को बैन करके खत्म किया जा सकता, तो बांग्लादेश का जन्म ही नहीं होता।

उन्होंने कहा कि लाखों समर्थक और हजारों नेता आज भी बांग्लादेश में पार्टी के साथ खड़े हैं। उनका दावा है कि सरकार अवामी लीग से डरती है, इसलिए पार्टी पर रोक लगाई गई है। पार्टी में बदलाव और शेख हसीना के बिना अवामी लीग के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से चलती है। अगर किसी नेता पर आरोप लगते हैं, तो पार्टी खुद कार्रवाई करती है। लेकिन उन्होंने कहा कि विरोधियों की साजिश के दबाव में पार्टी नहीं टूटेगी।

मुहम्मद यूनुस पर लगाए गंभीर आरोप

हसीना ने अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार ने अवामी लीग नेताओं और समर्थकों के खिलाफ राजनीतिक नरसंहार चलाया। उनके मुताबिक करीब 600 नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या हुई और 1.15 लाख से ज्यादा लोगों को झूठे मामलों में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि कई लोगों को जान बचाने के लिए देश छोड़ना पड़ा। उनका कहना है कि जैसे ही बांग्लादेश में सामान्य लोकतांत्रिक माहौल बनेगा, सभी नेता वापस लौटेंगे। अर्थव्यवस्था को लेकर हसीना ने दावा किया कि उनके शासन में बांग्लादेश तेजी से आगे बढ़ रहा था। उन्होंने पद्मा ब्रिज, रूपपुर परमाणु परियोजना और मातारबाड़ी बंदरगाह जैसे बड़े प्रोजेक्ट का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने अर्थव्यवस्था को संकट में डाल दिया है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों का जिक्र

भारत के साथ रिश्तों पर हसीना ने कहा कि भारत और बांग्लादेश का संबंध ऐतिहासिक है। भारत सिर्फ हमारा पड़ोसी देश नहीं है, बल्कि बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में उसका योगदान भी बहुत बड़ा रहा है। लेकिन हमारे देश में लंबे समय से कुछ राजनीतिक और कट्टरपंथी समूह भारत विरोधी बातें करके राजनीति करते रहे हैं।

'मैं तो रोज पीएम की आलोचना करता हूं, पर...', नॉर्वे में जर्नलिस्ट के प्रोपेगेंडा पर पॉलिटिकल एक्सपर्ट का मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। 'मैं भारत में विपक्ष की आवाजों में से एक हूं। मैं प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों की कड़ी आलोचना करता हूं, आज तक नहीं हुई कोई कार्रवाई।' ये बात पॉलिटिकल एक्सपर्ट तहसीन पूनावाला ने कही है। उन्होंने ये टिप्पणी ऐसे समय में की है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों की यात्रा पर हैं। इस दौरान जब पीएम मोदी नॉर्वे पहुंचे थे तो वहां एक पत्रकार ने सवाल उठाया कि 'प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे आजाद प्रेस के कुछ सवालों के जवाब क्यों नहीं देते?' इसी वीडियो पर रिएक्ट करते हुए तहसीन पूनावाला ने रिएक्ट किया।

नॉर्वे में भारत के प्रेस फ्रीडम पर महिला पत्रकार हेली लिंग के सवाल उठाए जाने पर राजनीतिक एक्सपर्ट तहसीन पूनावाला ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मैं भारत में विपक्ष की आवाजों में से एक हूं और हर रोज मैं टेलीविजन और सोशल मीडिया पर सरकार पर हमला करता हूं। मैं प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों की कड़ी आलोचना करता हूं, और आज तक किसी ने भी मेरे खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।'

'आप मेरे देश की प्रेस की आजादी की तुलना...'

तहसीन पूनावाला ने आगे कहा कि 'मुझे यह बात बहुत नागवार गुजरती है कि आप मेरे देश की प्रेस की आजादी की तुलना अमीरात या क्यूबा से करते हैं! बेशक, सभी भारतीय अभिव्यक्ति की और भी ज्यादा आजादी चाहेंगे, लेकिन भारत में मीडिया की आजादी की तुलना उन शासन-व्यवस्थाओं से करना, जहां अभिव्यक्ति की आजादी पर पुलिस का पहरा रहता है- बिल्कुल गलत और दुर्भाग्यपूर्ण है! आपको शुभकामनाएं! @HelleLyngSvends'

नॉर्वे की पत्रकार ने शेयर किया था पीएम मोदी का वीडियो

प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों पांच देशों की छह दिवसीय यात्रा पर हैं। वह इस यात्रा क्रम में भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने और नॉर्डिक देशों के नेताओं के साथ प्रमुख द्विपक्षीय कार्यक्रम के लिए दिन में ओस्लो पहुंचे थे। इसी दौरान नॉर्वे में पत्रकार हेली लिंग ने एक वीडियो शेयर करते हुए करते हुए 'एक्स' पर टिप्पणी की।

हेली लिंग ने प्रेस फ्रीडम पर क्या कहा

हेली लिंग ने कहा कि 'भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरा सवाल नहीं लिया, वैसे मुझे इसकी उम्मीद भी नहीं थी। 'वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स' में नॉर्वे पहले स्थान पर है, जबकि भारत 157वें स्थान पर है- और वह फिलिस्तीन, अमीरात और क्यूबा जैसे देशों से मुकाबला कर रहा है। जिन सत्ता-शक्तियों के साथ हम सहयोग करते हैं, उनसे सवाल करना हमारा ही काम है।'

एमसीयू के अभिषेक पाण्डेय ने बनाया मोबाइल एप 'मास्टर प्रिंटपैक

देश का पहला विशिष्ट शैक्षणिक प्रिंटिंग और पैकेजिंग ऐप

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी (NMT) विभाग के नाम एक और शैक्षणिक उपलब्धि जुड़ गई है। विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अभिषेक पांडेय द्वारा इन-हाउस विकसित किया गया विशेष शैक्षणिक मोबाइल एप्लिकेशन 'मास्टर प्रिंटपैक' (Master Printpack) आधिकारिक तौर पर गूगल प्ले स्टोर पर लाइव हो गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन, कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी और विभागाध्यक्ष डॉ. पी. शशिकला के मार्गदर्शन में तैयार इस ऐप को इंटरनेशनल एज रेटिंग कोएलिशन (IARC) द्वारा भी प्रमाणित कर दिया गया है।

प्रिंटिंग और पैकेजिंग तकनीक के लिए अनूठा डिजिटल प्लेटफॉर्म:

यह मोबाइल एप्लिकेशन देश भर में प्रिंटिंग, पैकेजिंग, स्मार्ट पैकेजिंग और सस्टेनेबल इंक टेस्टिंग जैसे विषयों से जुड़े विद्यार्थियों और

शोधार्थियों के लिए एक व्यापक एजुकेशनल यूटिलिटी और बेंचमार्किंग प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा।

ऐप की खास बातें-

- 401 विशेषज्ञ-क्यूरेटेड एमसीक्यू (MCQs): ऐप में प्रिंटिंग तकनीक, स्पेक्ट्रोडेन्सिटोमेट्री, पैकेजिंग रीडिजाइन और औद्योगिक मानकों पर आधारित 401 चुनिंदा वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का डेटाबेस शामिल है, जो रैंडम शफलिंग लॉजिक के साथ काम करता है।

लाइव ग्लोबल लीडरबोर्ड: विद्यार्थी अपनी तकनीकी दक्षता को परखने के लिए रीयल-टाइम में एक-दूसरे के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

डेटा सुरक्षा और प्राइवेसी: सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए इसमें विद्यार्थियों की ईमेल आईडी को पूरी तरह सुरक्षित रखकर केवल डिस्प्ले नेम प्रदर्शित करने की आधुनिक व्यवस्था (Hermetic Data Seal) की गई है।

गूगल एडमोब (AdMob) इंटीग्रेशन: ऐप के सतत संचालन और भविष्य के तकनीकी अपग्रेडेशन के लिए इसे व्यावसायिक विज्ञापन प्रणाली से भी जोड़ा गया है।

90 दिनों की मेहनत एवं 14 दिनों का कड़ा परीक्षण-

इस ऐप को प्ले स्टोर पर जारी करने से पहले लगभग 90 दिनों तक का समय लगा। साथ ही न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग के बी.टेक प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग के 27 छात्र-छात्राओं और विभाग के फैकल्टी मेंबर्स की एक टीम द्वारा 14 दिनों का 'क्लोज्ड टेस्टिंग' (Closed Testing) ऑडिट सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस दौरान मिले फीडबैक के आधार पर ऐप के यूजर इंटरफेस (UI) और प्राइवेसी फीचर्स को पूरी तरह रिफाइन किया गया।

देश का पहला विशिष्ट शैक्षणिक प्रिंटिंग और पैकेजिंग ऐप:

वर्तमान में गूगल प्ले स्टोर पर प्रिंटिंग और पैकेजिंग क्षेत्र से जुड़े जो भी ऐप्स उपलब्ध हैं, वे या तो केवल औद्योगिक प्रदर्शनियों की जानकारी देने तक सीमित हैं या बेहद सामान्य ज्ञान पर आधारित हैं। 'मास्टर प्रिंटपैक' देश का पहला ऐसा शैक्षणिक और मूल्यांकन (Academic Evaluation) ऐप है, जिसमें स्पेक्ट्रोडेन्सिटोमेट्री, सस्टेनेबल इंक टेस्टिंग और आधुनिक पैकेजिंग डिजाइन जैसे जटिल औद्योगिक विषयों पर आधारित 401 प्रश्नों का गहन डेटाबेस और छात्रों की रीयल-टाइम रैंकिंग के लिए लाइव लीडरबोर्ड की व्यवस्था है। यह अनूठा संगम इसे अपनी तरह का पहला डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाता है।

सरनेम से जज किया जाता है, आरजे महवश के दिल के बेहद करीब है सीरीज सतरंगी, 22 मई जी5 पर होगी रिलीज

आरजे महवश अक्सर किसी ना किसी वजह से चर्चा में रहती हैं। पिछले कुछ समय तक तो वो भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ लिंकअप की वजह से सुर्खियों में रही हैं। हालांकि, बाद में दोनों के अलग होने की खबरें भी आ गई थीं। इन सब से परे अब वह अपनी अपकमिंग सीरीज की वजह से हेडलाइन्स में हैं। वह सीरीज सतरंगी: बदले का खेल में नजर आने वाली हैं, जिसे लेकर उनका मानना है कि ये सीरीज जाति-आधारित भेदभाव जैसे गंभीर मुद्दों को उठाती है। चलिए बताते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

आरजे महवश ने बताया कि उन्होंने स्क्रिप्ट सुनते ही इसके लिए तुरंत हामी भर दी थी। महवश ने बताया, जब मैंने कहानी सुनी, तो मुझे लगा कि ये सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक मुद्दों संदेश पहुंचाने का जरिया भी है। उत्तर प्रदेश में पली-बढ़ी होने के नाते मैंने अपने आस-पास ऐसी सच्चाइयों को देखा और सुना था। उस दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए एक खास मौका था। मेरे किरदार में भी कई इमोशनल रोल हैं और एक एक्टर के लिए, ऐसी कंपलेक्सिटी हमेशा एक्साइटिंग होती है।

सीरीज के ट्रेलर से साफ पता चलता है कि इसकी कहानी बदले की नहीं, बल्कि पहचान और आत्म-सम्मान की लड़ाई भी है। एक्ट्रेस ने बताया, आज भी

समाज में काफी लोगों को उनके टाइटल से जज किया जाता है। जाति आधारित हिंसा आज भी हमारे आसपास देखने को मिलती है। हम सीरीज के माध्यम से बस ये दिखाना चाहते थे कि इंसान का जिन बातों पर बस नहीं चलता, उनकी वजह कितने लोगों को परेशानियों से गुजरना पड़ता है। ये यकीनन पहचान और इंसाफ की लड़ाई है और मुझे उम्मीद है कि आखिर में समाज ये लड़ाई जीत जाएंगे।

महवश ने सीरीज में एक ऐसे प्रभावशाली और बाहुबली परिवार की गांव लड़की का किरदार निभाया है, जो अपने ही परिवार द्वारा किए जा रहे है अत्याचारों और जाति व्यवस्था के खिलाफ खड़ी होती है। अपने गांव किरदार को लेकर एक्ट्रेस का कहना है कि उनके लिए ये मुश्किल नहीं था। उन्होंने कहा, सच कहूं तो मुझे ये मुश्किल नहीं लगा, क्योंकि मैंने दोनों तरह की जिंदगी जी है। अगर प्यार पैसा प्रॉफिट ने मेरे मुंबई वाले पहलू को दिखाया, तो सतरंगी मेरे अलीगढ़ के जड़ों को दिखाती है।

एक्ट्रेस ने बताया कि यहां तक आना के लिए उन्होंने अनगिनत ऑडिशन दिए और कई रिजेक्शन झेले हैं। उन्होंने कहा, इस मुकाम तक पहुंचना ही अपने आप में मुश्किल था, क्योंकि आपको मौके मिलने से पहले अनगिनत ऑडिशन और रिजेक्शन का सामना करना पड़ता है। आप रिजेक्शन से सीखते हैं और धीरे-धीरे अपनी कला को समझते हैं। डिजिटल कंटेंट के लिए एक्टिंग करना और जज्बाती तौर पर गहरे किरदार निभाना, ये दो अलग-अलग दुनिया नहीं हैं। अगर आपको सच में एक्टिंग करनी आती है, तो ये बदलाव अपने आप ही हो जाता है।

फिल्म सिस्टम का ट्रेलर जारी, अन्याय का पर्दाफाश करने आईं सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका

प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली ओरिजिनल फिल्म सिस्टम का ट्रेलर रिलीज किया है, जो एक दमदार कोर्टरूम थ्रिलर है और ऐसे सिस्टम को चुनौती देती है, जहां ताकत ही सच तय करती है। अश्विनी अय्यर तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बालिगा ने प्रोड्यूस किया है। सिस्टम महत्वाकांक्षा, बदला, न्याय की लड़ाई और नैतिक मूल्यों जैसे यूनिवर्सल थीम को दिखाती है।

हरमन बावेजा, अरुण सुकुमार, अश्विनी अय्यर तिवारी, तसनीम लोखंडवाला और अक्षत घिल्डियाल द्वारा लिखी गई इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर लीड रोल में नजर आएंगे। इनके साथ प्रीति अग्रवाल, अदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सयानदीप सेनगुप्ता अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। सिस्टम 22 मई को हिंदी में भारत समेत दुनियाभर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर एक्सक्लूसिव प्रीमियर होगी।

सिस्टम का ट्रेलर नेहा से शुरू होता है, जो सोनाक्षी सिन्हा द्वारा निभाई गई एक दृढ़ निश्चयी युवा वकील है। उसे अपने पिता (आशुतोष गोवारिकर) से एक मुश्किल चुनौती मिलती है कि अगर उसे उनकी फर्म में पार्टनर बनना है तो खुद को साबित करना होगा। इस चुनौती को पूरा करने के लिए वह सारिका (ज्योतिका) को साथ लाती है, जो एक तेज-तर्रार कोर्टरूम स्टेनोग्राफर है और जिसके अपने छिपे हुए मकसद भी हैं।

इसके बाद ट्रेलर में तेज रफ्तार कोर्टरूम लड़ाइयों, उलझे रिश्तों और कई दमदार पलों की झलक देखने को मिलती है, अमीरी के शोर में गरीब की आवाज खो जाती है जैसे असरदार डायलॉग सीधे फिल्म के मुख्य संघर्ष को सामने रखते हैं। ट्रेलर यह सवाल छोड़ जाता है कि ऐसे सिस्टम में जहां असर और ताकत सच पर भारी पड़ सकती है, क्या न्याय मर चुका है या उसके पास अब भी लड़ने का मौका है?

नेहा के किरदार में नजर आने वाली सोनाक्षी सिन्हा, जो फिल्म में एक महत्वाकांक्षी पब्लिक प्रॉसिक्यूटर बनी हैं, कहती हैं, इस किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद खास और संतोषजनक अनुभव रहा। मैं हमेशा ऐसी कहानियों की तरफ आकर्षित होती हूं, जो मुझे एक कलाकार के तौर पर चुनौती दें, और प्राइम वीडियो ने मुझे दहाड़ से लेकर अब सिस्टम तक अलग-अलग जॉनर और विषयों को एक्सप्लोर करने का मौका दिया है। यह ओरिजिनल फिल्म सिर्फ एक लीगल ड्रामा नहीं है, बल्कि उस समाज को भी दिखाती है, जिसमें हम जीते हैं, जहां कभी-कभी न्याय भी हमारे आसपास मौजूद सामाजिक ढांचे की तरह बंटा हुआ नजर आता है। अश्विनी के साफ विजन ने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देने में मदद की और अब मैं उत्साहित हूं यह देखने के लिए कि सिस्टम के प्रीमियर पर दर्शकों का क्या रिस्पॉन्स रहता है।

बेहद ग्लैमरस हैं मैं वापस आऊंगा एक्ट्रेस, शरवरी वाघ के इन लुक्स से नहीं हटा पाएंगे अपनी नजर

शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस एक्टिंग के साथ-साथ अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं। ऐसे में आइए देखते हैं उनके कुछ ग्लैमरस लुक्स, जो आपको दीवाना बना देंगें।

शरवरी वाघ इम्तियाज अली की अपकमिंग फिल्म मैं वापस आऊंगा में नजर आने वाली हैं। फिल्म में वो दिलजीत दोसांझ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। दोनों को बड़े पर्दे पर साथ देखने के लिए फैंस बेताब हैं। फिल्म में शरवरी एक्टर संग रोमांस करती दिखेंगी। फिल्म में अपने दिलकश अंदाज से एक्ट्रेस दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं।

बता दें, शरवरी रियल लाइफ में भी अनपे ग्लैमरस अवतार से लोगों को घायल कर देती है। उनकी फोटोज सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल होती रहती हैं। उनके स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक्स इतने अट्रैक्टिव होते हैं कि उन पर से अपनी नजरें हटाना बेहद मुश्किल हो जाता है। शरवरी अक्सर अपने सिजलिंग लुक्स से सोशल मीडिया पर आग लगा देती हैं। इस फोटो में एक्ट्रेस अपनी अदाओं ये सभी को दीवाना बना रही हैं। इस फोटो में एक्ट्रेस शिमरी बॉडीकॉन ड्रेस में कहर ढा रही हैं। कॉन्फिडेंट अंदाज में पोज देती एक्ट्रेस बला की खूबसूरत दिख रही हैं। शरवरी का ये अंदाज भी देखने लायक है। मिनी ड्रेस पहने एक्ट्रेस काफी स्टाइलिश दिख रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com